सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 129 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 21 फरवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय गृहमंत्री शाह ने दी सीएम साय को जन्मदिन की बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का शुक्रवार 21 फरवरी को जन्मदिन है। जन्मदिन पर सीएम साय को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित अन्य मंत्रियों ने मुख्यमंत्री साय को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके दीर्घायू की कामना की। मुख्यमंत्री साय ने भी प्रधानमंत्री मोदी व केन्द्रीय मंत्री अमित शाह सहित सभी शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। वे राज्य की जनता के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं तथा राज्य का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर रहे हैं। ईश्वर उन्हें जनसेवा करते हुए दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन प्रदान करें। इसी प्रकार केन्द्रीय गृहमंत्रभ् अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। छत्तीसगढ़ में भाजपा को जनविश्वास का केंद्र बनाने में आपकी भूमिका सराहनीय है। ईश्वर से आपके दीर्घायु जीवन व उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

राज्यपाल रमेन डेका ने दी सीएम साय को बधाई

मुख्यमंत्री विष्णुदेव के जन्मदिन पर राज्यपाल रमेन डेका ने भी बधाई दी है। सीएम साय ने राज्यपाल के बधाई संदेश पर कहा कि आपकी शुभकामनाओं के लिए सहृदय आभार। राज्यपाल के रूप में आपके मार्गदर्शन में हमारी सरकार सेवा, समर्पण और सुशासन के रास्ते पर चलकर विकसित छत्तीसगढ़ का मार्ग प्रशस्त कर रही है। प्रदेशवासियों के जीवन में समृद्धि और खुशहाली का संचार करने हेतु हम कृत संकल्पित हैं। वहीं सीएम साय ने शुक्रवार को गृहग्राम बगिया पहुंचकर अपनी मां का भी आर्शीवाद लिया।

सीएम साय ने जताया आभार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताते हुए सीएम साय ने कहा कि माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी, आपकी हार्दिक शुभकामनाओं और दयालु शब्दों के लिए हार्दिक आभार। आपका दूरदर्शी नेतृत्व मुझे छत्तीसगढ़ की प्रगति और समृद्धि के लिए अथक प्रयास करते रहने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करता है।आपके आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। इसी प्रकार सीएम साय ने केन्द्रीय गृहमंत्री अतिम शाह का धन्यवाद देते हुए कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी, आपकी हृदयस्पर्शी शुभकामनाओं के लिए आभार। आपके मार्गदर्शन में हमारा छत्तीसगढ़ संवर रहा है, निरंतर प्रगति पथ पर आगे बढ़ रहा है। पुनः सादर आभार!

खास-खबर

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह 22 फरवरी को लेंगे पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की बैठक

नईदिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार 22 फरवरी, 2025 को पुणे, महाराष्ट्र में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद में गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र राज्य और दादरा और नगर हवेली तथा दमन एवं दीव केन्द्रशासित प्रदेश शामिल हैं। बैठक की मेजबानी महाराष्ट्र सरकार कर रही है। यह बैठक गृह मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन अंतर राज्य परिषद सचिवालय द्वारा महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से आयोजित की जा रही है।

पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक में सदस्य राज्यों के मुख्यमंत्री और संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक के साथ साथ, प्रत्येक राज्य से दो वरिष्ठ मंत्री भाग लेंगे। बैठक में राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र के मुख्य सचिव, सलाहकार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा केन्द्रीय गृह सचिव, सचिव अंतर राज्य परिषद और केंद्र सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी भाग लेंगे।

पांच दिन बंद रहेंगे बैंक, कल निपटा लें काम

रायपुर। यूएफबीयू के आह्वान पर 24 और 25 मार्च को बैंक के अधिकारी कर्मचारी राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर जाने वाले है लेकिन इस बीच शनिवार, रविवार और 26 मार्च को महाशिवरात्रि की बैंकों में छुट्टी रहेगी। यानी बैंक से संबंधित जो भी कार्य है वे शुक्रवार को अनिवार्य रुप से निपटा लेंगे वरना आपको पांच दिनों का इंतजार करना पड़ेगा।

यूएफबीयू हड़ताल के पूर्व के आंदोलनात्मक कार्यक्रमों के तहत 21 फरवरी को फोरम की स्थानीय इकाई के सदस्य कर्मी शाम 5:15 बजे पंजाब नेशनल बैंक मोतीबाग शाखा के सामने प्रदर्शन करेंगे। स्थानीय इकाई के सदस्यों ने फोरम में शामिल घटक संगठनों एवं उनके बैंक वाइज संगठनों से अनुरोध है कि वे अपने ज्यादा से ज्यादा साथियों के साथ प्रदर्शन में शामिल होकर इन्हे सफल बनाएं। प्रदर्शन एवं सभा में बैंक सेवानिवृत्त एसोसिएशन के पदाधिकारी भी शामिल होंगे। यह हड़ताल बैंकों में पर्याप्त भर्ती, पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह का कार्यान्वयन, लंबित मुद्दों का समाधान, नौकरियों की आउटसोर्सिंग बंद करने की मांग को लेकर हो रही है।

छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण को रोकने कड़े कदम उठाएगी सरकार मुख्यमंत्री साय बोले- ऐसे लोगों पर होगी कानूनी कार्रवाई

विदेशी फंडिंग के जरिए धर्मांतरण की शिकायतों पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिए जांच के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए पहले से ही सख्त कानूनों को लागू कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जो भी संगठन, व्यक्ति या संस्था इस तरह की गतिविधियों में लिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफकानूनी कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री साय ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार सभी धर्मों का सम्मान करती है और राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। लेकिन यदि कोई भी संस्था धर्मांतरण के माध्यम से समाज में अस्थिरता फैलाने का प्रयास करती है, तो सरकार उसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। इस मुद्दे को लेकर राज्य सरकार केंद्र सरकार और प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर आवश्यक कदम उठाएगी, ताकि इस तरह की गतिविधियों पर पूरी तरह से अंकुश लगाया जा सके।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में कार्यरत कुछ गैर-सरकारी संगठनों को दी गई फंडिंग के दुरुपयोग को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस विदेशी सहायता का उपयोग धर्मांतरण जैसी अवैध गतिविधियों में किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा देश एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है, जहां हर व्यक्ति को अपनी इच्छा के अनुसार धर्म मानने की स्वतंत्रता है। लेकिन जब अशिक्षा, गरीबी, चंगाई या लोक-परलोक के नाम पर लोगों को बहकाकर या प्रलोभन देकर जबरन धर्म परिवर्तन कराया जाता है, तो यह न केवल अनैतिक है, बल्कि संविधान की मूल भावना के भी विरुद्ध है।

विदेशी फंडिंग के दुरुपयोग की होगी जांच

मुख्यमंत्री साय ने यह भी कहा कि कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां स्वास्थ्य और शिक्षा के नाम पर विदेशी धन प्राप्त करती हैं, लेकिन इसकी आड़ में स्थानीय लोगों को भ्रमित कर, लालच देकर, चंगाई के माध्यम से धर्मांतरण कराती हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस मामले की गहराई से जांच होनी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन एनजीओ को जिस उद्देश्य के लिए फंडिंग दी जा रही है, उसका सही उपयोग हो रहा है या नहीं।

अमेरिका भारत में भी SAID को बंद करने उठे सवाल

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस बात पर भी ध्यान दिलाया कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकाल की शुरुआत में ही अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका एजेंसी (SAID) को बंद कर दिया था, क्योंकि वहां के करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा था। अब धीरे-धीरे यह खुलासा हो रहा है कि SAID के जरिए दी गई विदेशी फंडिंग का भारत में किस तरह से मनमाने ढंग से इस्तेमाल किया गया।

संदिग्ध एनजीओ की होगी कड़ी जांच, सीएम ने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने निर्देश दिया है कि राज्य में कार्यरत उन एनजीओ की गहन जांच की जाए, जिन्हें विदेशी एजेंसियों से वित्तीय सहायता मिली है। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी एनजीओ स्वास्थ्य और शिक्षा के नाम पर विदेशी फंडिंग लेकर किसी भी तरह की अवैध गतिविधि में लिप्त न हो। यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है, तो कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में सरकार गठन के बाद हुआ विभागों का बंटवारा, सीएम रेखा गुप्ता ने रखा गृह विभाग

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में गुरुवार को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता ने शपथ ली। शपथ के बाद पहली कैबिनेट बैठक में विभागों का भी बंटवारा हो गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पास गृह और वित्त विभाग रहेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पास वित्त, योजना, सामान्य प्रशासन, महिला एवं बाल विकास, सेवाएं, राजस्व, भूमि एवं भवन, सूचना एवं जनसंपर्क, सतर्कता, प्रशासनिक सुधार विभाग। कोई अन्य विभाग, जो मंत्रियों को आवंटित न हो।

मंत्रियों के विभाग

- प्रवेश साहिब सिंह, कैबिनेट मंत्री
  - पीडब्ल्यूडी, विधायी मामले, सूचना एवं वित्त आयोग, जल, गुरुद्वारा चुनाव विभाग।
- आशीष सूद, कैबिनेट मंत्री
  - गृह, बिजली, शहरी विकास, शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा।
- सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, कैबिनेट मंत्री
  - खाद्य एवं आपूर्ति, वन एवं पर्यावरण और उद्योग विभाग
- रविंदर सिंह (इंद्रराज), कैबिनेट मंत्री
  - समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण, सहकारिता और चुनाव विभाग।
- कपिल मिश्रा, मंत्री
  - कानून एवं न्याय, श्रम विभाग, रोजगार, विकास विभाग, संस्कृति, कला व भाषा, पर्यटन विभाग
- डॉ. पंकज कुमार सिंह, मंत्री
  - स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, परिवहन और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग।

अब 26 फरवरी तक रद्द रहेगी दुर्ग से छपरा जाने वाली सारनाथ एक्सप्रेस, रेलवे ने बताई यह वजह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग से छपरा को जोड़ने वाली सारनाथ एक्सप्रेस 26 फरवरी तक रद्द रहेगी। इससे पहले 19 से 21 फरवरी तक इस ट्रेन को रद्द किया गया था जिसे बढ़ाकर अब 26 फरवरी तक कर दिया गया है। इसके पीछे वजह तो स्पष्ट नहीं है लेकिन माना जा रहा है महाकुंभ में भीड़ कम करने के लिए रेलवे द्वारा यह कदम उठाया गया है। इसके साथ 26 फरवरी को साप्ताहित एक्सप्रेस दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस को भी रद्द कर दिया गया है।

26 को समाप्त हो रहा महाकुंभ

बता दें प्रयागराज में महाकुंभ 26 फरवरी को समाप्त हो रहा है। महाकुंभ में शाही स्नान के बाद भी भीड़ थमने का नाम नहीं ले रही है। इसके कारण रेलवे द्वारा विभिन्न शहरों से प्रयागराज पहुंचने वाले ट्रेनों को रद्द कर यहां की भीड़ पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। दुर्ग से प्रयागराज के लिए सारनाथ डेली ट्रेन है और नवतनवा साप्ताहिक ट्रेन है। संभवतः प्रयागराज की भीड़ को कम करने के लिए ही इन ट्रेनों को रद्द किया जा रहा है। इन ट्रेनों में प्रयागराज महाकुंभ के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने आरक्षण कर रखा था। ट्रेन रद्द होने से अब उन्हें दूसरे विकल्प तलाशने होंगे।

बता दें रेलवे इससे पहले गाड़ी संख्या 15160 / 15159 दुर्ग छपरा दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस ट्रेन को दोनों ओर से रद्द कर दिया गया था। 19, 20 एवं 21 फरवरी 2025 को दुर्ग से चलने वाली गाड़ी संख्या 15160 दुर्ग-छपरा सारनाथ एक्सप्रेस एवं दिनांक 21, 22 एवं 23 फरवरी को छपरा से चलने वाली गाड़ी संख्या 15159 छपरा दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस रद्द किया गया था। अब रेलवे ने 26 फरवरी तक दुर्ग-छपरा सारनाथ को रद्द कर दिया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार 22, 23, 24, 25 एवं 26 फरवरी 2025 को दुर्ग से चलने वाली गाड़ी संख्या 15160 दुर्ग-छपरा सारनाथ एक्सप्रेस रद्द रहेगी। इसी प्रकार दिनांक 26 फरवरी 2025 को दुर्ग से चलने वाली गाड़ी संख्या 18201 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

समलैंगिक संबंधों पर बंटी हुई है दुनिया

श्रीकंचनपथ

समलैंगिक संबंध लगभग सभी समाजों में किसी न किसी रूप में मौजूद है। यह और बात है कि कहीं ऐसे मामलों में मौत की सजा दी जाती है तो कहीं इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मामला माना जाता है। विश्व के 72 देश इसे अपराध मानते हैं। 13 देशों में समलैंगिक सेक्स पर मौत का प्रावधान है। वहीं दुनिया के 130 से ज्यादा देश इसे मंजूरी दे चुके हैं। भारत में भी भारतीय दंड संहिता की धारा 177 के तहत इसे अपराध माना गया था। पर 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक संबंधों को अपराध मानने से इंकार कर दिया। 2024 में बनी भारतीय न्याय संहिता में इस मामले से जुड़ा कोई कानून नहीं है। हालांकि भारत में समलैंगिक विवाहों को अब भी मान्यता नहीं है। पर इसकी कोई जरूरत भी नहीं है। समलैंगिक संबंधों से बच्चे नहीं पैदा होते। ये जोड़े केवल साथ रह सकते हैं। वे चाहें तो अपनी विरासत वसीयत कर अपने लिव इन पार्टनर को सौंप सकते हैं। एलजीबीटीक्यू अर्थात लेस्बियन, गे, ट्रांसेजेंडर और क्वीयर समुदाय में वो सभी लोग आते हैं जो सामान्य स्त्री पुरुष संबंधों के इतर संबंध बनाते हैं। कानून ने इन संबंधों को भले ही अपराध की श्रेणी से बाहर माना हो पर समाज इन संबंधों को स्वीकार नहीं करता। भारत में इनकी संख्या का कोई सीधा-सीधा आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। भारत सरकार ने 2012 में स्व-घोषणा के आधार पर इस समुदाय की आबादी कम से कम 25 लाख बताई थी। वहीं, इस क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं का अनुमान है कि इनकी आबादी करीब साढ़े बारह करोड़ है। पर वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है। भारत के कम पढ़े लिखे लोगों में आज भी अनेक शारीरिक और मानसिक समस्याओं का निदान विवाह को माना जाता है। लड़का बिगड़ रहा है या लड़की बिगड़ रही हो तो उसकी तत्काल शादी करवा दी जाती है। थर्ड जेंडर को छोड़ दें तो गे और लेस्बियन में शरीर स्त्री और पुरुष का ही होता है जो विवाह बंधन में बंध सकते हैं और बच्चे भी पैदा कर सकते हैं। समाज शास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि विवाह जैसी संस्था ऐसे अधिकांश मामलों में कारगर साबित होती है। पर सामाजिक स्वीकार्यता नहीं होने के कारण इस समुदाय के लोग अपनी सेक्सुअल च्वाइस को हर किसी से छिपाते फिरते हैं। इसीके चलते ये अपराधियों के लिए सॉफ्ट टारगेट बन जाते हैं। उन्हें पता होता है कि फंस जाने पर भी ये न तो परिवार को बताएंगे और न ही पुलिस के पास जाएंगे। सोशल मीडिया पर इस समुदाय के लोगों के लिए डेटिंग ऐप हैं। ऐप पर लोगों को पहले फंसाया और फिर ब्लैकमेल किया जाता है। कभी-कभी बात हत्या या आत्महत्या तक पहुंच जाती है। अमेरिका जैसा विकसित देश ऐसे मामलों में नंबर एक पर है। दूसरे नंबर पर नाइजीरिया और तीसरे स्थान पर भारत है। इसलिए इसपर चर्चा जरूरी है।

संपादकीय

पुराने कानून में सुधार की जरूरत भी थी

कानून जिस वक्त बनाए गए होते हैं,उस वक्त की स्थिति,मांग को देखते हुए बनाए गए होते हैं, वह उस वक्त के हिसाब से ठीक भी होते हैं। वक्त बदलने के साथ कानून पुराने हो जाते हैं तो उसमें सुधार की जरूरत होती हैं क्योंकि पुराने कानून से लोगों को परेशानी भी होती है, पुराना कानून उनको नया कुछ करने नहीं देता है। लोगों को लगता है कि पुराने कानून को बदलने की जरूरत होती है। सरकार को भी इस बात का एहसास होता है तो पुराने कानून की जगह नया कानून लाया जाता है ताकि राज्य के लोगो को सुविधा हो, वह जैसा काम करना चाहते हैं, वैसा काम कर सकें।

> ***प्रदेश में पुराने दुकान एवं स्थापना अधिनियम की जगह नया दुकान एवं स्थापना अधिनियम लागू हो गया है। यह पुराना अधिनियम 58-59 में लाया गया था इस के हिसाब से दुकान को सप्ताह में एक दिन बंद करना जरूरी था। यह नगरीय निकाय क्षेत्र में प्रभावी होता था। पुराने नियम के अनुसार दुकान बाजार एक तय समय तक ही खोले जा सकते थे। सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक। कोई भी अपनी दुकान रात भर नहीं खोल सकता था,अपने कर्मियों को सप्ताह में एक दिन छुट्टी देना जरूरी था।***

कोई ज्यादा पैसे कमाने के लिए अपनी दुकान महीने के तीस दिन नहीं खोल सकता था। उसके लिए सप्ताह में एक दिन दुकान बंद करना जरूरी था, पुराने समय में शायद यह सोचा जाता हो कि सबको एक दिन अवकाश मिलता है, दुकानों में काम करने वालों को मिलना चाहिए। व्यापारियों को भी एक दिन काम न करके छुट्टी मनाना चाहिए। पुराना नियम सभी के आराम को ख्याल में रखकर बनाया गया था। तब आज के जैसी प्रतिस्पर्धा का युग नहीं था,तब के लोग सात के सात दिन या पूरे महीने भर दुकान खोलकर धंधा नहीं करना चाहते थे।

आज प्रतिस्पर्धा का युग है, सब ज्यादा काम करके ज्यादा पैसा कमाना चाहते हैं। इसलिए पुराने कानून को बदल नया कानून लाने की जरूरत महसूस की गई और सरकार ने इसे लाकर उस जरूरत को पूरा किया है। साय सरकार भी मोदी सरकार की तरह सुधार की राह पर चल रही है इससे साफहोता है कि वह भी राज्य के विकास के लिए एक अलग विजन रखती है। साय सरकार का विजन अलग है राज्य में उद्योग व व्यापार के विकास के लिए तब ही तो उसने पुराने कानून की जगह नया कानून बनाया है। वैसा ही कानून बनाया है जैसा उद्योगपति व व्यापारी चाहते थे। नए कानून के अनुसार अब दुकानें 24 घंटे व पूरे सप्ताह खुली रह सकती हैं। शर्त यह है कि कर्मचारियों को सप्ताह में एक दिन का अवकाश दिया जाए।यह काम तो पहले की सरकार कर्मचारियों को एक दिन का अवकाश देकर पूरे सप्ताह दुकान खोलने का कानून बना सकती थी लेकिन यह काम तो वही सरकार कर सकती है जिसको लगता है इस क्षेत्र सुधार की जरूरत है। साय सरकार को लगा कि व्यापार के क्षेत्र में सुधार वक्त की जरूरत है तो उसने किया और इसका फायदा आने वाले दिनों राज्य के व्यापारियों को मिलेगा।

पहले रात के वक्त महिलाओं के काम करने के बारे में सोचा ही नहीं जाता था, अब सोचा जा रहा है कि रात के वक्त जो महिलाएं काम करना चाहती है, उनको कुछ सुरक्षा शर्तों के साथ काम करने का मौका मिलना चाहिए। नया कानून 10 या अधिक कर्मियों वाली दुकान या संस्थाओं पर लागू होगा, इससे छोटे दुकानदारों को राहत मिलेगी। पहले का कानून नगरीय क्षेत्र में लागू होता था नया कानून पूरे राज्य में लागू होगा। राज्य सरकार को इस नए कानून से पहले से ज्यादा कमाई भी होगी क्योंकि दुकान व संस्थाओं का पंजीयन कराना अनिवार्य है। कर्मियों की संख्या के आधार पर पंजीयन शुल्क कम से कम एक हजार व ज्यादा से ज्यादा 10 हजार रुपए होगा। पहले पंजीयन शुल्क 100 से 250 रुपए लिया जाता था। भूपेश सरकार से साय सरकार इस मामले में अलग है कि साय सरकार आय के नए स्रोत बना रही है जबकि भूपेश सरकार ने इस बारे में सोचा ही नहीं। इससे उसे कर्ज लेना पड़ा। इससे राज्य पर कर्ज का बोझ बढ़ा है।

नए कानून के अनुसार सभी नियोजकों को अपने कर्मचारियों का रिकार्ड इलेक्ट्रानिक रूप से रखना होगा तथा हर साल 15 फरवरी को ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड़ करना होगा। नए कानून के अनुसार अब श्रम निरीक्षकों की जगह फेसिलिटेटर होंगे जो व्यापारियों को बेहतर मार्गदर्शन देगे। यानी श्रम निरीक्षकों के द्वारा जो भ्रष्टाचार होता था,वह अब नहीं होगा। चेंबर आफ कामर्स का कहना है कि महानगरों, माल व एयरपोर्ट पर आदि में ऐसी व्यवस्था होती है, छत्तीसगढ़ में इसकी जरूरत महसूस की जा रही थी, सरकार की यह अच्छी पहल है। जो अधिक काम करना चाहता है, पूरे सात दिन काम करना चाहता है, उसको अब नये कानून से लाभ होगा।

रेस्टोरेंट एंड कैफे एसोसियेशन का कहना है कि हमने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा था। राजधानी के अनुकूल व्यवस्था न होने पर व्यापार पर बुरा असर पड़ रहा है। रायपुर का ट्रेंड लेट नाइट का है। अब कानूनी रूप से रात भर दुकान, कैफे खोलने की सुविधा होगी तो कैफे व रेस्टोरेंट को भी बहुत फायदा होगा। रात भर दुकानें खुलेंगी, रात भर होटल, कैफे खुलेंगे तो रात में सुरक्षा की व्यवस्था भी करनी होगी क्योंकि रात को होने वाले अपराध भी तो बढेंगे। सरकार की तरफ से सुरक्षा के बार में अभी कुछ कहा नहीं गया है। आने वाले दिनों मे सरकार यह स्पष्ट करेगी की वह रात को दुकानें खुली रहने पर क्या सुरक्षा व्यवस्था कर सकती है।

विष्णु देव साय ने प्रदेश की जनता के बीच जाकर जीता लोगों का दिल

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जन्मदिन पर विशेष

श्रीमती हर्षलता लोन्हारे, रायपुर

छत्तीसगढ़ के खूबसूरत वादियों में स्थित जशपुर जिला के ग्राम बगिया में जन्म लेने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सज्जनता और सहृदयता के एक उज्जवल प्रतीक हैं। मात्र 14 माह में अपने मुख्यमंत्रित्व काल में छत्तीसगढ़ राज्य में विकास का एक नया आयाम गढ़ने वाले तथा राज्य के नागरिकों के दिलों में राज करने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अपनी लोकप्रियता के शिखर पर विद्यमान है। विष्णुदेव साय जनता के बीच के एक ऐसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं जिनकी सदाशयता और दूरगामी योजनाओं से प्रदेश में विकास और प्रगति का राह आसान हुआ है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आदिवासी पृष्ठभूमि से आते हैं। इस दृष्टि से आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाले वे प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार ने एक साल के भीतर छत्तीसगढ़ के किसान भाइयों के खाते में 52 हजार करोड़ रुपए अंतरित कर उन्हें उत्साह से भर दिया है। धान खरीदी समाप्त होने के एक सप्ताह के भीतर किसानों को भुगतान कर दिया गया है। 52 हजार करोड़ रुपए किसानों के खाते में आने से वे खेती किसानी में भरपूर निवेश कर रहे हैं और इससे बाजार भी गुलजार हुए हैं जिससे शहरी अर्थव्यवस्था पर सीधा असर दिख रहा है। ट्रैक्टर आदि की बिक्री ने रिकार्ड आंकड़ा छू लिया है। धान का उचित मूल्य मिलने से किसानों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई और इस साल 25 लाख 72 हजार किसानों ने 149 लाख 25 हजार मीट्रिक टन रिकॉर्ड धान बेचा।

उन्होंने अपने एक साल के संक्षिप्त कार्यकाल में छत्तीसगढ़ को सम्पूर्ण देश में एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। बहुत कम समय में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की जनता के बीच जाकर पूरे प्रदेश की जनता का विश्वास जीता है और न केवल विश्वास जीता है बल्कि उनके हित को ध्यान में रखकर उन्होंने ऐसी योजनाओं का क्रियान्वयन किया है जिससे छत्तीसगढ़ का समग्र विकास सम्भव हो पाया है। यह केवल और केवल विष्णुदेव साय जैसे एक संवेदनशील, कर्मठ तथा ऊर्जावान मुख्यमंत्री ही सम्भव कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री पद का शपथ लेते ही प्रदेश की समस्त महिलाओं को महतारी वंदन योजना जैसी एक लाभकारी योजना का सौगात दिया है। महतारी वंदन योजना से प्रदेश की महिलाओं को हर माह एक हजार रुपए की राशि दी जाती है जिससे वे स्वावलंबी बन सके एवं स्वयं का रोजगार भी प्रारंभ कर सके। साथ ही प्रदेश भर के किसानों को 2 साल का बकाया बोनस और 31सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी जैसे वादों को पूरा कर छत्तीसगढ़ के किसानों का मान बढ़ाया है।

इस खरीफ सीजन में उपज का वाजिब कीमत 31 रूपए प्रति क्विंटल की दर से धान का उपार्जन किया गया। सरकार किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी की है। यही कारण है कि छत्तीसगढ़ के 25 लाख 72 हजार किसानों ने 149 लाख 25 हजार मेट्रिक धान का उपार्जन किया है। यह अब तक कि धान खरीदी की सर्वाधिक रिकॉर्ड है। मुख्यमंत्री श्री साय की नेतृत्व वाली सरकार के माध्यम से किसानों के खाते में 52 हजार करोड़ रूपए की राशि अंतरित (ट्रांसफर) हुई है। हाल ही में नगर पालिका चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त हुआ। प्रदेश में अब ट्रिपल इंजन की सरकार से नगरों का सर्वांगीण विकास होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार के नेतृत्व में प्रदेश में बीते 13 महीनों में 305 नक्सली मारे जा चुके हैं, 1177 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 985 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के हर वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने प्रदेश के हर वर्ग की बुनियादी सुविधाओं और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पीएम आवास योजना, कृषक उन्नति योजना, नियद नेल्ला नार, अखरा निर्माण योजना जैसी योजनाओं का शुभारम्भ किया है और जनता के बीच अपनी एक अलग छवि निर्मित की है। छत्तीसगढ़ राज्य में यह पहली बार हुआ है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्कूलों में एक विशेष अवसर पर न्योता भोजन का भी आयोजन किया जाता है। न्योता भोजन सामुदायिक भागीदारी पर आधारित एक ऐसा उपक्रम है जिसके माध्यम से स्कूल के बच्चों को समाज से जोड़ा जा सके एवं उनके भीतर समानता की भावना विकसित किया जा सके।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जनता के बीच और हर समुदाय के बीच एक ऐसा पुल बनाना जानते हैं जिससे सभी एक दूसरे से जुड़ सके और सभी प्रदेश के हित में अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह भी कर सके। उन्होंने अपने जीवन का बहुमूल्य समय पद्रेश की जनता को समर्पित कर यह सिद्ध कर दिया है कि उनका जीवन केवल उनका नहीं है अपितु प्रदेश की जनता की निस्वार्थ सेवा के लिए समर्पित है। वे सही मायने में एक ऐसे जननेता हैं जिनके लिए जनता ही सब कुछ हैं। ऐसे सेवाभावी और लोकप्रिय जनसेवक बहुत कम होते हैं जिनके लिए जनता का विकास और जनता का साथ ही सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह सभी प्रदेशवासियों के लिए गौरवान्वित होने का विषय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उनके अपने बीच के लोकप्रिय नेता हैं जिनके लिए प्रदेश की जनता की खुशहाली ही सर्वोपरि है।

(ये लेखक के विचार हैं)

छत्तीसगढ़ में विष्णु के सुशासन के 14 माह

वैश्विक स्तर पर मोदी और प्रादेशिक फलक पर डंका बजाते मोहन

अरुण पटेल

एक ओर जहां अमेरिका सहित वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का डंका बज रहा है तो वहीं प्रदेश के फलक पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव प्रदेश को औद्योगिक हब बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और मुख्यमंत्री को पक्का भरोसा है कि उद्योगों के प्रति मित्रवत नीति एवं नवाचार से प्रदेश में निवेश के विस्तार को पंख लग जायेंगे और यह एक नया औद्योगिक हब बनेगा। अभी तक मध्यप्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक राजधानी के रुप में इंदौर तथा संस्कारधानी के रुप में जबलपुर की पहचान थी, अब औद्योगिक राजधानी के रुप में ताल-तलैयों व शैल-शिखरों की नगरी भोपाल को भी एक नई पहचान मिलने जा रही है। इन प्रयासों को जमीनी धरातल पर उतारने में डॉ. यादव महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की व्हाइट हाउस में बड़े ही गर्मजोशी के साथ मुलाकात हुई और न केवल दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया बल्कि ट्रम्प ने यह भी माना कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को मिस किया है। टेरिफ मामले को लेकर मोदी की प्रशंसा प् करते हुए उन्होंने मोदी को एक टफ नेगोशिएटर निरुपित किया। इस अवसर हुई बैठक में भारत-अमेरिका व्यापार, रक्षा सहयोग और आतंकवाद विरोधी रणनीति के साथ ही साथ ऊर्जा साझेदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में आपसी व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा और रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत धरातल पर उतारने के मामले में अपनी सहमति जताई। अमेरिका और भारत ने इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करने का फैसला किया है और दोनों देशों ने आतंकवादी संगठनों के वित्त पोषण को रोकने, खुफिया जानकारी साझा करने, वैश्विक आतंकवाद को राकने में सहयोग बढ़ाने की बात कही। ट्रम्प का कहना था कि कट्टरपंथी आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए खतरा है और इसे रोकने के लिए दोनों देशों का गठबंधन महत्वपूर्ण होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि अमेरिका में भारतीय समुदाय की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लॉस एंजिलिस और बॉस्टन में नये भारतीय वाणिज्य दूतावास खोले जायेंगे। इससे भारतीय प्रवासियों को कांसुलर सेवाओं का लाभ मिलेगा और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और व्यावसायिक संबंध और मजबूत होंगे।

अडानी मामले में मोदी-राहुल आमने-सामने

अमेरिका में अडानी समूह को लेकर पूछे गये सवाल पर मोदी ने जो उत्तर दिया उसको लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश में सवाल पूछो तो चुप्पी और विदेश में पूछो तो निजी मामला। अमेरिका में भी पीएम मोदी ने अडानी के भ्रष्टाचार पर पर्दा डाल दिया। जब मित्र की जेब भरना मोदी के लिए राष्ट्र निर्माण है तब रिश्वतखोरी और देश की सम्पत्ति को लूटना व्यक्तिगत मामला बन जाता है। अमेरिका में जब मीडिया के सामने ट्रम्प और मोदी रुबरु हो रहे थे उस समय अडानी समूह को लेकर अमेरिका में चल रहे विवाद पर सवाल किया गया कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ कारोबारी गौतम अडानी के खिलाफ मामले पर चर्चा हुई है, तब मोदी का उत्तर था कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की है, दुनिया को हम एक परिवार मानते हैं, हर भारतीय को भी मैं अपना मानता हूं, ऐसे व्यक्तिगत मामलों के लिए दो देशों के मुखिया न मिलते हैं न बैठते हैं न बात करते हैं।

न्यायिक अकादमी में धनखड़

न्यायिक अकादमी में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने साफतौर पर कहा कि हम एक सम्प्रभु राष्ट्र हैं, हमारी सम्प्रभुता लोगों में निहित है। लोगों द्वारा दिया गया संविधान इस सम्प्रभुता को अभेद्य बनाता है। किसी भी कार्यकारी नियुक्ति में भारत के मुख्य न्यायाधीश को कैसे शामिल कर सकते हैं, हमारे देश में या किसी भी लोकतंत्र में क्या कोई कानूनी तर्क हो सकता है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश को सीबीआई निदेशक के चयन में भागीदारी करनी चाहिये। क्या इसके लिए कोई कानूनी आधार हो सकता है मैं समझ सकता हूं कि यह विधायी प्रावधान इसलिए अस्तित्व में आया कि उस समयझ की कार्यकारी सरकार ने न्यायिक निर्णय को स्वीकार किया, लेकिन अब समय आ गया है कि इसे फिर से देखा जाए। धनखड़ का कहना था कि हमारा संविधान सामंजस्य और सहकारी दृष्टिकोण की कल्पना करता है, न्यायिक सम्मान और विनम्रता यह मांग करती है कि ये संस्थाएं परिभा।

(ये लेखक के विचार हैं)

देश में सूचना क्रांति का महत्व बढ़ा

विनीत नारायण

एक बार लॉस एंजेलिस में उद्योगपतियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते समय मैंने श्रम आधारित तकनीकी के समर्थन और औद्योगिकरण के विरोध में काफी जोर से भाषण दिया। तब वहां मौजूद एक धनाढय उद्योगपति गणपत पटेल ने मुझे एक पुस्तक भेंट की जिसमें बताया गया था कि 1920 में अमेरिका में जिन क्षेत्रों में रोजगार काफी मात्रा में उपलब्ध था, वे क्षेत्र 1960 के दशक में गायब हो गए। पर इससे बेरोजगारी नहीं बढ़ी क्योंकि अनेक नये रोजगार क्षेत्र विकसित हो गए। उदाहरण के तौर पर 1920 के दशक में हाथ की मशीन पर टाइप करने वालों की भारी मांग थी पर कंप्यूटर आने के बाद यह मांग समाप्त हो गई। 1920 में हवाई जहाज के पायलटों की कोई मांग नहीं थी। पर बाद में हजारों पायलटों की मांग पैदा हो गई।

पटेल ने मुझसे जोर देकर कहा कि तकनीकी आने से बेरोजगारी नहीं बढ़ती। ऐसा ही अनुभव आज देश में सूचना क्रांति को देख कर हो रहा है। सूचना क्रांति ने हर क्षेत्र को बहुत व्यापक रूप में प्रभावित किया है। कुछ वर्ष पहले तक व्यापारी के बही-खातों में आमदनी-खर्च का जो हिसाब रखा जाता था वो इतना माकूल होता था कि उसमें एक पैसे की भी गलती नहीं होती थी। सदियों से भारत में यही प्रथा चल रही थी पर कंप्यूटर क्रांति ने सब बदल कर रख दिया। अब व्यापार के आंकड़े केवल आमदनी खर्च तक सीमित नहीं है। अब तो व्यापारी यह जानना चाहता है कि उसका कौन सा उत्पादन किस इलाके में ज्यादा बिक रहा है। उसके ग्राहक किस वर्ग के हैं।

साल के किस महीने में उसकी बिक्री बढ़ जाती है। कौन सी राजनैतिक या सामाजिक घटनाओं के बाद किस वस्तु की मांग अचानक बढ़ जाती है। जैसे-जैसे यह जानकारी उत्पादक या वितरक कंपनी के पास आती-जाती है, वैसे-वैसे उसका नजरिया और नीति बदलने लगती है। जबकि बही-खाते में केवल आमदनी-खर्च या लाभ-घाटे का हिसाब रखा जाता था। सांप्रदायिक दंगों का अंदेशा हो तो अचानक शहर में डबल रोटी, दूध, चाय, कॉफी के पैकेट, दाल-चावल, चीनी, मोमबत्ती, टॉर्च, शस्त्रों की मांग बढ़ जाती है। जाहिर है कि इन वस्तुओं के निर्माताओं को देश की नाड़ी पर इस नजरिए से निगाह रखनी पड़ती है। जिस इलाके में सांप्रदायिक तनाव बढ़े वहां इन वस्तुओं की आपूर्ति तेजी से बढ़ा दी जाए। इसी तरह बरसात से पहले छाते और बरसाती की मांग, गर्मी से पहले कूलर और एसी की मांग, जाड़े से पहले हीटर और गीजर की मांग बढ़ जाना सामान्य सी बात है। पर एसी बीस हजार रुपये वाला बिकेगा या पचास हजार रु पये वाला, यह जानने के लिए उसे ग्राहकों का मनोविज्ञान और उनकी हैसियत जानना जरूरी है। अगर निम्न वर्गीय रिहायशी क्षेत्र में लिप्टन की ग्रीन लेबल चाय के डिब्बे दुकानों पर सजा दिए जाएं तो शायद एक डिब्बा भी न बिके पर रेड लेबल चाय धड़ल्ले से बिकती है। धनी बस्ती में पांच रु पये वाला ग्लूकोज बिस्कुट का पैकेट खरीदने कोई नहीं आएगा पर पांच सौ रुपये किलो की कूकीज के पैकेट धड़ल्ले से बिकते हैं।

इसलिए इन कंपनियों को हर पल बाजार और ग्राहक के मूड पर निगाह रखनी होती है। इससे ये कंपनियां कई अहम फैसले ले पाती हैं। मसलन, उत्पादन कब, कैसा और कितना किया जाए। वितरण कहां, कब और कितना किया जाए। विज्ञापन का स्वरूप कैसा हो। उसमें किस वर्ग का प्रतिनिधित्व किया जाए और क्या कहा जाए जो ग्राहक का ध्यान आकर्षित कर सके। इसी सूचना संकलन का असर था कि 10 वर्ष पहले सभी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपने विज्ञापन अंग्रेजी की बजाय क्षेत्रीय भाषाओं में देने शुरू कर दिए। वरना हमारे बचपन में तो लक्स साबुन का विज्ञापन हिन्दी के अखबार में भी अंग्रेजी भाषा में आता था। जब सूचना का इतना महत्त्व बढ़ गया है तो जाहिर है कि इस सूचना को एकत्र करने वाले, प्रोसेस करने वाले और उसका विश्लेषण करने वाले सभी की मांग बजार में बेहद बढ़ गई है। यहां तक कि केवल इसी किस्म की सेवाएं देने वाली कंपनियों की बाढ़ आ गई है। जैसे पहले शेयर मार्केट को चलाने वाले बड़े-बड़े दलाल और बड़ी कंपनियां होती थीं पर आज इंटरनेट की मदद से देश के हर कस्बे और शहर में शेयर मार्केट में खेलने वाली हजारों कंपनियां खड़ी हो गई हैं।

अर्थव्यवस्था ही नहीं, कानून की स्थिति को बनाए रखने के लिए भी इस सूचना क्रांति ने भारी मदद की है। आज अपराधियों या आतंकवादियों के बारे में सूचना का भंडार पुलिस विभाग के पास उपलब्ध है, और आवश्यकता पडने पर मिनटों में देश में इधर से उधर भेज दिया जाता है। इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में भी इस सूचना क्रांति ने शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए ज्ञान के सैकड़ों दरवाजे खोल दिए हैं। आज देश के लगभग सभी शहरों, गांवों और कस्बों में इंटरनेट की मदद से बच्चों के पास दुनिया भर की जानकारी बड़ी आसानी से पहुंच रही है।

जब 1985 में देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कंप्यूटराइजेशन की बात की थी तो विपक्षी दलों और उनसे जुड़े पत्रकारों ने श्री गांधी का खूब मखौल बनाया था। उन पर कार्टून बनाए गए थे जिनमें दिखाया गया कि भूखे लोगों को राजीव गांधी कंप्यूटर सिखा रहे हैं। उस वक्त हमला करने वाले सभी राजनैतिक दल आज सबसे ज्यादा कंप्यूटर का प्रयोग कर रहे हैं। यह अनुभव यही बताता है कि हम राजनीति में हों या मीडिया में, तथ्यों का विवेकपूर्ण मूल्यांकन करें तो देश का लाभ होगा। विरोध के लिए विरोध करना सनसनीखेज तो हो सकता है पर इससे जनहित नहीं सधता। क्या यह बात हमारे देश के सभी सांसद सोचेंगे?

(ये लेखक के विचार हैं)

भगदड़ प्रशासनिक/व्यवस्थागत असफलता

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में अठारह लोगों की मौत हो गई जबकि अनेक घायल हुए हैं। प्रयागराज और मगध एक्सप्रेस के अतिरिक्त विशेष ट्रेनों से महाकुंभ जाने वालों की भीड़ स्टेशन पर बढ़ती जा रही थी।

रेलवे प्रशासन अत्यधिक भीड़ बढने की वजह से यह घटना घटी बता रहा है। चश्मदीदों और यात्रियों का कहना कि पैदल पुल पर बेतहाशा बढ़ती भीड़ के कारण भगदड़ हुई। रेलवे पर कुछ ट्रेनों के अचानक रद्द करने का आरोप है। हैरत की बात है, रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर कोई ऐसी व्यवस्था नहीं की गई जिससे भीड़ को बाहर ही रोका जा सके। लोगों ने ज्यादा टिकट बुक कराई तब भी रेल-प्रशासन नहीं चेता। कुचल कर मरने की ऐसी घटनाएं प्रशासनिक/व्यवस्थागत असफलता हैं।

इनकी लगातार पुनरावृत्ति बताती है, हम अभी भी उन्नीसवीं सदी में जी रहे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दंभ भरने वालों को इस भीषण भगदड़ में मारे जाने वालों के प्रति तनिक क्षोभ नहीं होता। महाकुंभ में डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा अयोध्या और वाराणसी में भी प्रसिद्ध मंदिरों में दर्शन करने के दौरान भी हो रहा है। मगर वहां की अव्यवस्था को लेकर भी खबरें न के बराबर आ रही हैं।

नि:संदेह इतनी भारी भीड़ को संभालने में मुट्ठी भर पुलिसकर्मी कभी सफल नहीं हो सकते। कुंभ के दरम्यान मची भगदड़ के बाद की तरह इस बार भी विपक्ष द्वारा सरकार पर मृतकों और घायलों की संख्या छिपाने का आरोप लगाया जा रहा है। अपनी नाकामी छिपाने तथा सच्चाई पर परदा डालने की बजाय सरकार को इन मौतों से सबक लेने के प्रयास करने चाहिए। भीड़ को नियंत्रित करने और सटीक अंदाजा लगाने वालों को प्रथम पंक्ति में लाना होगा।

अक्षम अधिकारियों पर सख्ती करनी होगी, उन्हें सिर्फ घुड़की देने की रवायत के बाद हाथ झाड़ कर नहीं बैठना चाहिए। इस तरह के किसी भी बड़े आयोजन के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों को स्पष्ट दायित्व दिए जाने चाहिए। जनता की जान की कीमत कम कर आंकने की आदत पर सरकार को पश्चाताप करना चाहिए। श्रद्धालुओं को आमंत्रित करने और जबरदस्त प्रचार करने वालों को भारी संख्या में आने वालों को संभालने का तरीका भी खोजना होगा। अपनी पीठ खुद थपथपाने वालों को संवेदनशीलता से विचार करना ही होगा ताकि इस तरह की किसी भी दुर्घटना की पुनरावृत्ति से बचा जा सके। खासकर पर्व आयोजन जैसे अवसरों पर पूरी तैयारी जरूरी है।

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

खास खबर

महापौर ने आयुक्त व जनप्रतिनिधियों के साथ किया मार्केट क्षेत्र में सफाई व्यवस्था निरीक्षण

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्रांतर्गत प्रात: 7:00 बजे शपथ से पहले सफाई कार्य का आकस्मिक निरीक्षण को नवनिर्वाचित महापौर अलका बाघमार ने कमिश्नर सुमित अग्रवाल, जनप्रतिनिधियों व अधिकारी के साथ इंदिरा मार्केट में सफाई व्यवस्था को लेकर करीब 3 घंटे पैदल घूमकर जायजा लिया।उन्होंने इदिरा मार्केट पार्किंग से होते हुए मान होटल लाइन,जवाहर चौक पांच कंडील, हटरी बाजार,शनिचरी बाजार से होकर इदिरा मार्केट सब्जी बाजार के अलावा प्रेस काम्प्लेक्स क्षेत्र का निरीक्षण किया. महापौर अलका बाघमार ने शनिचरी बाजार में कहा कि सार्वजनिक मूत्रालय को व्यवस्थित करने के साथ साथ नियमित साफसफाई करें। उन्होंने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों से स्वच्छ सुंदर नगर निगम बनाने के लिए कार्य करने कहा।उन्होंने नगर में बेहतर सफाई व्यवस्था बनाने और अधिकारियों एवं कर्मचारियों से शहर को सुंदर एवं स्वच्छ बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। महापौर अलका बाघमार ने निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के नागरिकों से भी अपील की है कि वे अपने घर व दुकानों से निकलने वाले कचरे यहां-वहां ना डालते हुए गीले एवं सूखे कचरे का स्त्रोत पर ही पृथक्कीकरण कर निगम के कचरा संग्रहण वाहन के पृथक-पृथक भागों में डाले। उन्होने कहा कि स्वच्छता हेतु नगर निगम तो अपना कार्य कर ही रही नागरिकों का भी कर्तव्य है कि वे भी स्वच्छता में अपना अमूल्य योगदान देवें।

विधायक गजेन्द्र यादव की पहल- दुर्ग पहुंचा पोंड क्लीनर मशीन, जलकुम्भी की समस्या से निजात मिलेगी

दुर्ग। अब दुर्ग के तालाबों में जलकुम्भी की समस्या नहीं होगी इससे निजात पाने विधायक गजेन्द्र यादव की पहल से पोंड क्लीनर मशीन आ गई है। बारिश के सीजन में शिवनाथ नदी के पास इंटकवेल में कचरा फंसने से पेयजल बाधित नहीं होगी। दुर्ग निगम में पहुँचे मशीन का तालाब से जलकुम्भी निकालने मशीन का आज ट्रायल किया गया। इस दौरान नवनिर्वाचित महापौर अलका बाघमार और निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल, नवनिर्वाचित पार्षद गुलाब वर्मा, लीलाधर पाल, देवनारायण चंद्राकर और कांशीराम कोसरे उपस्थित रहे। शहर विधायक गजेंद्र यादव के अथक प्रयास से शासन ने पहली बार पोंड क्लीनर मशीन खरीदने दुर्ग निगम को अनुमति दी है। एजेंसी द्वारा द्वारा आज मशीन दुर्ग निगम प्रशासन को हैंडओवर किया गया। इस आधुनिक मशीन से नदी तालाब के ऊपरी सतह से जलकुम्भी के साथ ही बेल्ट के माध्यम से 5 फिट गहराई तक सभी प्रकार के खरपतवार को भी आसानी से निकाला जा सकेगा। ऐसी मशीन का प्रयोग जम्मू में डल झील और हैदराबाद के हुसैन सागर जैसे नदियों में पानी को साफ रखने खरपतवार निकालने के लिए उपयोग में लाया जाता है। गौरतलब है की नालो में भारी मात्रा में उगे हुए जलकुम्भी से बारिश का पानी का प्रवाह रुक जाता है इससे पानी उफन अन्यत्र फैलता है इसके अलावा दुर्ग निगम के इंटकवेल के पास साईफेन में जलकुम्भी फंसने से पंपहाउस से शहरवासियों को पेयजल आपूर्ति बाधित होती है।

विधायक देवेन्द्र को जमानत मिलने की खुशी, समर्थकों ने मिठाई बांटकर व आतिशबाजी कर मनाया जश्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद, भिलाई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनता के बीच उत्साह और खुशी का माहौल है। विधायक यादव पिछले छह महीनों से रायपुर सेंट्रल जेल में बंद थे, और उनकी रिहाई की खबर से समर्थकों में उल्लास फैल गया है। विधायक के जमानत मिलने के बाद उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। भिलाई के जगह-जगह पर समर्थकों ने मिठाइयां बांटकर और आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इज़हार किया।

बता दें की 15-16 मई 2024 की रात, बलौदाबाजार जिले के महकोनी गांव में स्थित अमर गुफा में धार्मिक चिन्ह को नुकसान पहुंचाने की घटना घटी, जिससे सतनामी समाज में आक्रोश फैल गया। इस घटना के विरोध में 10 जून 2024 को बलौदाबाजार के दशहरा मैदान में एक बड़ी सभा आयोजित की गई, जिसमें प्रदेशभर से समाज के लोग शामिल हुए। सभा के बाद, आक्रोशित भीड़ ने बलौदाबाजार कलेक्ट्रेट और एसपी कार्यालय में आगजनी की, कई वाहनों को नुकसान पहुंचाया। इस हिंसा में विधायक देवेंद्र यादव पर भीड़ को उकसाने का आरोप लगा, जिसके चलते उन्हें 17 अगस्त 2024 को उनके भिलाई स्थित निवास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद, विधायक यादव की जमानत याचिकाएं बलौदाबाजार सीजेएम कोर्ट, जिला सत्र न्यायालय बलौदाबाजार, और हाईकोर्ट बिलासपुर में खारिज हो चुकी थीं। अंतत:, सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई, जहां 20 फरवरी को सुनवाई के दौरान उन्हें जमानत प्रदान की गई। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि मामले में अभी तक कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है, जो विधायक यादव के खिलाफ आरोपों को साबित कर सके।

जमानत की खबर मिलते ही भिलाई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जगह-जगह पटाखे फोड़े, मिठाइयां बांटी, और खुशी मनाई। विधायक के जन्मदिन के अगले ही दिन यह खुशखबरी मिलने से समर्थकों में उत्साह दोगुना हो गया।विधायक के जमानत मिलने के बाद उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। जगह-जगह पर समर्थकों ने मिठाइयाँ बाँटकर और आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इज़हार किया। समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया और विधायक के समर्थन में नारेबाजी भी की। इस मौके पर सौरभ कुमार ने कहा कि उन्हें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा था और यह फैसला उनके विश्वास की जीत है।

महापौर नीरज पाल ने कहा कि बेहद हर्ष का विषय है भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव फिर से जनता के बीच होंगे। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि का कहना है कि आज बेहद खुशी का दिन है उच्चतम न्यायालय के द्वारा भिलाई विधायक देवेंद्र यादव को जमानत दी है, कार्यकर्ता और आम जनता को मिठाई वितरण कर कर खुशी जाहिर की गई। हमें न्यायपालिका पर पूरा विश्वास था। विधायक देवेंद्र यादव के सुप्रीम कोर्ट के वकील हर्षदीप ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट से विधायक देवेंद्र यादव को जमानत मिल गई है सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बलौदा बाजार हिंसा मामले में कहीं भी संदीप्तता नहीं पाई गई इसीलिए देवेंद्र यादव को जमानत दी जा रही है।

निरंकारी मिशन के 'प्रोजेक्ट अमृत का तृतीय चरण, शिवनाथ के तट पर 23 फरवरी को सेवादार चलाएंगे अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। संत निरंकारी मिशन की सेवा भावना और मानव कल्याण के संकल्प को साकार करने हेतु 'प्रोजेक्ट अमृत के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन परियोजना के तृतीय चरण का भव्य शुभारंभ रविवार, 23 फरवरी 2025 को शिवनाथ नदी के घाट दुर्ग पर किया जाएगा। सहायक जनसंपर्क अधिकारी शंकर सचदेव ने जानकारी देते हुए बताया कि 23 फरवरी को सुबह 7 बजे से 10 बजे तक पुष्पक रोड शिवनाथ नदी घाट पर यह अभियान प्रारम्भ किया जाएगा।

ब्रांच संयोजक सतपाल सैनी जी ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है, ताकि भावी पीढ़ियों को निर्मल जल और स्वस्थ पर्यावरण का वरदान प्राप्त हो सके। संत निरंकारी मिशन ने बाबा

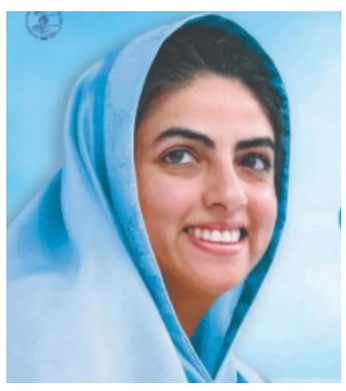

हरदेव सिंह जी महाराज की प्रेरणादायक शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए वर्ष 2023 में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 'प्रोजेक्ट अमृत का शुभारंभ किया था। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज भी अक्सर यही प्रेरणा देते हैं कि हम इस धरती को और भी अधिक सुंदर स्वरूप में छोड़कर जाएं। यह अभियान उसी संकल्प का एक साकार स्वरूप है, जो समाज को जागरूकता, सेवा और समर्पण की दिशा में आगे बढ़ाने का कार्य करेगा। इस दिव्य पहल का उद्देश्य केवल जल स्रोतों की स्वच्छता सुनिश्चित करना ही नहीं, बल्कि जल संरक्षण को मानव जीवन का अभिन्न अंग बनाने की सोच को विकसित करना है। नदियों, झीलों, तालाबों, कुओं और झरनों जैसे प्राकृतिक जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण को समर्पित इस महाअभियान ने अपने पहले दो चरणों में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। इसी प्रेरणा के साथ, इस वर्ष तृतीय चरण को और अधिक व्यापक, प्रभावी एवं दूरगामी दृष्टि से आगे बढ़ाया गया है, ताकि यह अभियान निरंतर विस्तार पाकर समाज में जागरूकता, सेवा और समर्पण की एक सशक्त लहर उत्पन्न करे। इंद्रजीत निरंकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह वृहद अभियान देशभर में 27 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के 900 से अधिक शहरों में 1600 से भी अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित किया जाएगा। इस महाअभियान की यह अभूतपूर्व व्यापकता इसे एक ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करेगी, जिससे जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश और अधिक प्रभावशाली रूप से जन-जन तक पहुंचेगा। दुर्ग भिलाई में इस अभियान को पूर्व की भांति 'आओ सवारें, शिवनाथ किनारे' के प्रेरक संदेश के साथ आयोजित किया जा रहा है। संत निरंकारी मिशन भिलाई दुर्ग के सैकड़ो सेवादारी मिलकर जल संरक्षण और स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगे। गीतों की संगीतमय प्रस्तुति, समूह गान, जागरूकता सेमिनार और सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से जल जनित रोगों और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा रही है।

गोकुल नगर में रिक्त 42 भूखंडों की लाटरी निकाली गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर गोकुल नगर में व्यवस्थापन के लिए निगम प्रशासन डेयरी संचालकों को गोकुल नगर में रिक्त 42 भूखंडों के लिए लॉटरी निकाली गई. निगम के द्वारा 71 डेयरी व्यवसायियों से आवेदन आमंत्रित किया गया था।जिला शहरी विकास अभिकरण दुर्ग द्वारा अनुमोदित सूचि की लाटरी निकाली गयी है. गोकुल नगर पुलगांव में डेयरी व्यवसायियों के लिए 80 भूखंड उपलब्ध है. जिसमे 38 भूखंड पूर्व में आबंटित है. शेष 42 भूखंडों के लिए लाटरी निकाली जाकर डेयरी व्यवसायियों को आबंटन की प्रक्रिया सम्पन्न की गई.लाटरी निकाले जाने के दौरान बाजार अधिकारी थानसिंह यादव,

शशिकांत यादव, विजयेंद्र पटेल एवं निगम क्षेत्र के डेयरी व्यवसायी उपस्थित थे।शहर के रिहायशी इलाकों में संचालित डेयरियों को स्वास्थ्य व सुरक्षा की दृष्टिकोण से बाहरी क्षेत्रों में शिफ्ट करने की मांग शहरवासी लंबे समय से कर रहे हैं।निगम व जिला प्रशासन ने इसके लिए समय-समय पर योजना बनाई।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में पाटन ब्लॉक में मतदान के लिए भारी उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में पाटन ब्लॉक में मतदाताओं द्वारा जिला पंचायत सदस्य, सरपंच व जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच व पंच चुनने गुरुवार को उत्साह के साथ मतदान किया गया। मतदान केन्द्रों में सुबह से ही मतदाताओं की कतारें लगी रही।

यह सिलसिला दोपहर तक जारी रहा। मतदान को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह रहा, वहीं पुरुष व युवा मतदाताओं ने भी लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। मतदान करने में बुजूर्ग व असहाय मतदाता भी कही पीछे नहीं रहे। इन्होने भी उत्साह के साथ मतदान किया। मतदान केन्द्रों में व्हीलचेयर के अलावा अन्य जरुरी व्यवस्थाएं भी की गई थी। जिसकी मतदाताओं द्वारा प्रशंसा की गई है। मतदान के दौरान पाटन ब्लॉक के ग्राम सेलूद, कोही, अचानकपुर, धमना, खुड़मुड़ी सहित अन्य मतदान केन्द्रों में मतदाताओं में मतदान को लेकर भारी उत्साह देखा गया। यहां सुबह 7 बजे मतदान शुरु हो गया था। सुबह से ही मतदाताओं की कतारें लगी रही। ग्राम पंचायत मानिकचौरी के नव विवाहित खोमेंद्र साहू और पीकू साहू ने बारात के ग्राम वापस लौटने पर लोकतंत्र में एक मतदाता के कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए पहले ग्राम के मतदान केन्द्र क्रमांक-120 में पहुंचकर मतदान किया,फिर उन्होने अपने दुल्हनिया को साथ लेकर गृहग्राम की ओर प्रस्थान किया।

गंदा पानी निकासी में बाधा बने मलबा को निकाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली से गंदा पानी निकासी के संसाधन की सफाई अभियान चलाकर किया जा रहा है। आयुक्त मोनिका वर्मा ने कई ऐसे जगहों पर मानव संसाधन से मलबा निकालवाने कहा है, जहां जगह तंग है। दरअसल नाला सफाई वर्ष में एक बार बारिश के पहले किया जाता था। आयुक्त ने अब साल मेंदो बार नाला सफाई करने का टास्क अधिकारी-कर्मचारियों को दिया है।

आयुक्त मोनिका वर्मा ने बताया कि नाला सफाई ठीक से नहीं होने की वजह से कई जगह गंदा पानी जमा होता है। इससे न केवल आस पास का वातावरण दुर्गन्ध युक्त होता है, बल्कि पूरा क्षेत्र प्रदुषण की चपेट में होता है। गंदा पानी बहते रहने से किसी तरह की समस्या नहीं होती। वहीं बारिश के पहले सफाई के लिए समय कम मिलता है। आयुक्त मोनिका ने परमेश्वरी मंदिर के निकट और कृष्णा टॉकिज रोड में चल रहे नाला सफाई कार्य का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दी।

खास बात यह है कि नाला की चैड़ाई कही 15-20 फीट है तो कही 5 फीट। ऐसे में पूरे नाला की सफाई जेसीबी या चेन माउन्टेन से करना संभव नहीं है। आयुक्त ने कम चैड़ाई वाले जगह की सफाई मानव संसाधन से कराने के निर्देश दिए है।

आयुक्त के निर्देश पर वार्ड 2 व 3 में शीतला मंदिर से गांधी चैक वार्ड 13 व 14 में शीतला मंदिर से इस्पातनगर तक और वार्ड 37 जोरातराई बीएसपी बाउन्ड्रीवाल किनारे कुल 1.5 किलोमीटर मानव संसाधन से सफाई के अलावा वार्ड 20 एवं 21 अम्बेडकर स्कूल में बीएसपी मरोदा गेट तक, वार्ड 22, 23, 24 व 25 के अलावा 35 एवं 36 के सुभाष चैक अंतिम छोर तक कुल 4 किलोमीटर चैन माउन्टेन मशीन के अलावा वार्ड 27, 28, 30 एवं 31 में कुल 1.5 किलोमीटर नाला की सफाई जेसीबी से कराने कार्य योजना तैयार की गई है। मॉर्निंग विजिट के दौरान लापरवाह कर्मचारियों के वेतन काटने के निर्देश आयुक्त ने दिए है। लगातार दूसरे दिन अनुपस्थित पाने वाले कर्मचारियों में पंकज कुशवाहा, जय कुमार, जतीन बारले, देवेन्द्र पुरैना, बिसौहा राम सिन्हा, संतोष साहू, मनीष यादव, बृजेश कुमार, मोनिष तिवारी, टिकेन्द्र वर्मा, अल्ताफमोहम्मद व मोहन यादव शामिल है।

नारायणपुर के मावली मेला में बीएसपी मंडप की हुई सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के नारायणपुर में ऐतिहासिक मावली मेला के 2025 संस्करण का उद्घाटन 19 फरवरी 2025 को किया गया। छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार नाथ कश्यप ने पांच दिवसीय मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट प्रतिष्ठा ममगाईं आईएएस, आकांक्षा खलखो, सीईओ बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, अपर कलेक्टर तथा जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय पंचायतों के प्रतिनिधि, राज्य के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में आसपास के क्षेत्रों के निवासी उपस्थित थे। बीएसपी के मंडप में अथितियों का स्वागत, कार्यकारी कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार, महाप्रबंधक अनुपम बिष्ट एवं महाप्रबंधक एस पी मंडावी ने किया।

उपस्थित अतिथियों को संयंत्र से संबंधित जानकारी, सहायक महाप्रबंधक

योगेश वर्मा और सहायक महाप्रबंधक ए के मिश्रा ने दी। मेले के अंतर्गत 20 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें राज्य सरकार की संस्थाओं एवं विभागों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित प्रदर्शनियां लगाई गई हैं। इस कार्यक्रम में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने भी भाग लिया। बीएसपी मंडप में रावघाट खदानों में खनन प्रक्रिया और भिलाई इस्पात संयंत्र में एकीकृत इस्पात निर्माण कार्यों को दर्शाया गया है। इस अवसर पर उपस्थित मंत्री श्री केदार कश्यप, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, आसपास के जिलों के डिप्टी कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम, अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा अन्य गणमान्य लोगों ने बीएसपी के मंडप में प्रदर्शित आकर्षक पैनल, कट-आउट और संयंत्र के उत्पादन प्रक्रिया पर बने वृत्तचित्र आदि की गहरी रुचि ली और उनकी सराहना की। बीएसपी की रावघाट खदानों से निकाले गए उच्च गुणवत्ता वाले लौह अयस्क के नमूने और राष्ट्र निर्माण में उपयोग किए गए बीएसपी के उत्पादों को भी मंडप में प्रदर्शित किया गया है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सतत प्रयासों से ग्रामीण विकास के लिए रावघाट सहित दूर-दराज और आदिवासी क्षेत्रों में संयंत्र द्वारा किए गए सामाजिक और सीएसआर गतिविधियों को मंडप में कलात्मक रूप से प्रदर्शित किया गया है। इस अवसर पर रावघाट सीएसआर विभाग की एक मेडिकल टीम, जिसमें मेडिकल कंसल्टेंट, ब्लड शुगर, एचबी और बीपी जांच के लिए नर्सिंग स्टाफ और फार्मासिस्ट शामिल थे, ने भी मावली मेले में चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए अपनी सेवाएं दीं। शिविर में चिकित्सा सहायता चाहने वाले व्यक्तियों को नि:शुल्क दवाइयाँ भी वितरित की गईं। बीएसपी मण्डप में ग्रामीणों और अन्य नागरिकों को स्वल्पाहार के रूप में पूड़ी सब्जी और छाछ का वितरण भी किया गया।

मावली मेला आदिवासी मेला अबूझमाड़ क्षेत्र की एक अभिन्न सांस्कृतिक विरासत है और इसका एक समृद्ध इतिहास है जो 800 वर्षों से भी अधिक पुराना है। यहाँ आदिवासी संस्कृति की अनूठी कला और हस्तकला और महुआ, लाख, इमली, लोबान और विभिन्न दैनिक उपयोग की वस्तुओं सहित जैविक कृषि उपज और वन उत्पादों के साथ-साथ मनोरंजक झूले और 300 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि मावली मेला देवी मावली के सम्मान में आयोजित किया जाता है, जिन्हें बस्तर क्षेत्र की संरक्षक देवी दंतेवाड़ा की दंतेश्वरी देवी की बहन के रूप में पूजा जाता है। पुराने समय में यह मेला स्थानीय आदिवासियों के लिए पूरे साल के लिए कपड़े, अनाज और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं को इकट्ठा करने का स्थान हुआ करता था, इसलिए यह अपनी स्थापना के बाद से एक अत्यंत महत्वपूर्ण आयोजन रहा है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

मार्ग विभाजकों के मध्य लगे पौधों पर किया जल का छिड़काव

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के क्षेत्र में विभिन्न मुख्य मार्गो में मार्ग विभाजकों के मध्य लगे पौधो की व्यवस्थित रूप से कटिंग करवाकर उन्हें सुन्दर स्वरूप देने का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही गर्मी के मौसम में राहत देने मार्ग विभाजको के मध्य पौधो में टैंकरों के माध्यम से बैकवॉस वाटर का सदूपयोग करते हुए जल का छिड़काव अभियान पूर्वक करवाया जा रहा है। यह कार्य नगर निगम के पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा आयुक्त अबिनाश मिश्रा के आदेशानुसार एवं उपायुक्त डॉ. अंजलि शर्मा के निर्देशानुसार समाजहित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से करवाया जा रहा है। मार्ग विभाजको के मध्य पौधो को व्यवस्थित कर उनमें बैकवॉश वाटर का सदूपयोग कर जल छिड़काव के कार्य की सतत मॉनिटरिंग उपअभियंता आशुतोष पाण्डेय द्वारा की जा रही है।

आयुक्त मिश्रा ने तेलीबांधा चौक बस स्टाप के कार्य की देखी प्रगति

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर नगर निगम क्षेत्र में राजधानी शहर में तेलीबांधा चौक, गांधी उद्यान के समीप बनाये जा रहे एसी (वातानुकूलित) बस स्टाप के कार्य की प्रगति का प्रत्यक्ष अवलोकन अपर आयुक्त यूएस अग्रवाल एवं सम्बंधित निगम अधिकारियों की उपस्थिति में किया एवं स्थल पर प्रगति की समीक्षा कर सम्बंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्य तेजी से करवाकर पूर्ण करने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए। 10 भिन्न स्थानों पर शीघ्र ए सी (वातानुकूलित) बस स्टाप बनाने की तैयारी की जा रही है। इससे राजधानीवासियों, बस यात्रियों, राहगिरों को गर्मी के मौसम में अत्यंत सुविधायुक्त वातावरण शीघ्र सहजता और सरलता से उपलब्ध हो सकेगा।

प्रदेश व जिला इकाईयों द्वारा चेम्बर के बेनर एवं लोगो के उपयोग पर प्रतिबंध

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के त्रैवार्षिक चुनाव वर्ष 2025 के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी शिवराज भंसाली ने संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने तक प्रदेश व जिला के इकाईयों द्वारा जो भी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है उसमें छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के बेनर एवं 'लोगो' का उपयोग करना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है।

रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के फार्मेसी विभाग ने माइंड पावर मास्टरी पर परिवर्तनकारी सत्र आयोजित

प्रसिद्ध लाइफ कोच विनय चैतन्य साओ ने छात्रों को सफलता के लिए व्यावहारिक माइंड ग्रूमिंग तकनीकों से बनाया सशक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। फार्मेसी विभाग ने रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी (एसआरयू) के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट कार्यालय के सहयोग से, एसआरयू परिसर के सावित्रीबाई फुले ऑडिटोरियम में माइंड पावर मास्टरी पर एक प्रेरक सत्र का आयोजन किया। सत्र का संचालन प्रतिष्ठित लाइफ कोच, मास्टर माइंड ट्रेनर, पूर्व भारतीय नौसेना अधिकारी और विशेषज्ञ विनय चैतन्य साओ ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत फार्मेसी विभाग के प्रिंसिपल प्रो. विजय कुमार सिंह के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता में मानसिक सशक्तिकरण के महत्व

पर जोर दिया। एसआरयू के कुलपति प्रो. एसके सिंह ने समग्र छात्र विकास के लिए यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता को मजबूत किया और एसआरयू के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा द्वारा शैक्षणिक और व्यावसायिक चुनौतियों पर काबू पाने में आत्मविश्वास और लचीलेपन के महत्व पर प्रकाश डाला। साओ ने गतिशील और संवादात्मक मानसिक प्रशिक्षण सत्र के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें छात्रों को लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास निर्माण के लिए व्यावहारिक रणनीतियों से लैस किया गया। मानसिक अवरोधों पर काबू पाने, परीक्षा के डर पर विजय पाने और निर्णय लेने में महारत हासिल करने पर उनकी अंतर्दृष्टि ने उपस्थित लोगों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा।

कार्यक्रम का समापन एक सम्मान समारोह के साथ हुआ, जहां फार्मेसी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वीना देवी सिंह ने साओ को उनके बहुमूल्य योगदान की सराहना करते हुए स्मृति चिन्ह और गुरु प्रसाद से सम्मानित किया। कार्यक्रम की सफलता को एसआरयू के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी साइमन जॉर्ज ने स्वीकार किया, जिन्होंने प्रतिभागियों और आयोजकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस सत्र ने विद्यार्थियों को प्रेरित और उत्साहित किया तथा न केवल अकादमिक उत्कृष्टता बल्कि व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एसआरयू की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

निगम को बड़ी सौगातः ऑलोक फेरो ने 3 एमएलडी उपचारित जल लेना किया शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की मंशा अनुरूप रायपुर जिला प्रशासन के निर्देशन में नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा ग्राम कारा निर्मित एसटीपी से उपचारित सीवेज के औद्योगिक कार्य पुर्नउपयोग के लिए मेसर्स बृजेश स्टील लिमिटेड से 7 एमएलडी तथा मेसर्स माँ कुदरगढ़ी पॉवर एण्ड इस्पात प्रा.लि. से 2 एमएलडी के लिए एमओयू पूर्व से ही कारित किया गया है।

इनके द्वारा पाइप लाइन के लिए सर्वे तथा इससे संबंधित ड्राइंग डिजाइन का कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त अनुक्रम में मेसर्स रायपुर एनर्जी लि तिल्दा (अडानी पॉवर) द्वारा निमोरा एसटीपी से 68 एमएलडी तथा मेसर्स एनएसपीसीएल भिलाई द्वारा चंदनीडीह एसटीपी से 18 एमएलडी उपचारित सीवेज के पॉवर प्लांट में औद्योगिक कार्य में पुर्नउपयोग के लिए प्राप्त प्रस्ताव अनुसार प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार की गई थी, अब 18 एमएलडी उपचारित सीवेज जल हेतु शीघ्र एमओयू कारित किये जाने की तैयारी की जा रही है । इसमें मेसर्स एनएसपीसीएल, भिलाई तक 18 किलोमीटर पाइप लाइन बिछाने सहित अन्य अनुशांगिक कार्यों पर लगभग राशि रूपये 38.10 करोड़ व्यय आयेगा, जिसको कि संबंधित औद्योगिक इकाई मेसर्स एनएसपीसीएल, भिलाई द्वारा वहन किया जायेगा। इसी प्रकार मेसर्स रायपुर एनर्जी लि (अडानी पॉवर), तिल्दा तक 33 किलोमीटर पाइप लाइन

बिछाने एवं अन्य अनुषागिंक कार्यों पर राशि रूपये 149.27 करोड़ का व्यय होगा, जिसे मेसर्स रायपुर एनर्जी लि (अडानी पॉवर), तिल्दा द्वारा वहन किया जाना होगा।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त दोनों पॉवर प्लांट से एमओयू हेतु सहमति प्राप्त करने बाबत् केन्द्र सरकार के उर्जा मंत्रालय के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा लगातार प्रयास किया गया। यहां यह विशेष उल्लेखनीय है कि नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा अमृत मिशन योजनांतर्गत ग्राम निमोरा स्थित 90 एमएलडी क्षमता के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य पूर्ण कर विगत 27 जून 2022 को लोकार्पण उपरांत नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है। उपरोक्त सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के उपचारित सीवेज में से 03 एमएलडी सीवेज का औद्योगिक कार्य में पुर्नउपयोग के संबंध में औद्योगिक संस्थान मेसर्स आलोक फेरो एलॉयज लिमिटेड द्वारा प्रस्ताव प्राप्त हुआ। उक्त प्रस्ताव पर एसएमपीएमसी मेसर्स पुराणिक ब्रदर्स द्वारा किये गए परीक्षण के आधार पर एसटीपी स्थल पर उपचारित सीवेज हेतु आंकलित राशि 6 रुपए प्रति किलो लीटर की दर को मेयर इन काउंसिल की बैठक में पारित संकल्प क्र. 06 पारित विगत 6 मार्च 2023 के माध्यम से स्वीकृति प्रदान की गई।

उपरोक्त स्वीकृति के आधार पर निमोरा एसटीपी से 3 एमएलडी उपचारित जल औद्योगिक संस्थान आलोक फेरो एलॉयज लिमिटेड को दिये जाने बाबत् नगर पालिक निगम, रायपुर एवं संस्थान के मध्य एमओयू विगत 19 जून 2024 को कारित किया गया। कारित एमओयू अनुसार निमोरा एसटीपी से 7 किलोमीटर दूरी पर स्थित उरला प्लांट तक लगभग राशि रुपये 200 लाख की लागत से उक्त संस्थान द्वारा पाइप लाईन विस्तार इत्यादि कार्य पूर्ण कर इसका परीक्षण भी कर लिया गया है। जिसे शीघ्र प्रारंभ किया जाना है। ग्राम-निमोरा में निर्मित 90 एमएलडी के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से मेसर्स आलोक फेरो एलॉयज लिमिटेड को 03 एमएलडी उपचारित जल की मात्रा प्रदाय किये जाने पर राशि रुपए 6 प्रति किलो लीटर की दर से लगभग राशि रुपये 5.22 लाख मासिक अथवा राशि रुपये 62.64 लाख वार्षिक राजस्व नगर पालिक निगम, रायपुर को प्राप्त होगा। साथ ही साथ भूगर्भीय सतही जल 03 एमएलडी (30 लाख लीटर प्रति दिवस) जिसका उपयोग औद्योगिक कार्यों हेतु किया जा रहा है उसका कृषि, पेयजल के रूप में उपयोग किया जा सकेगा। जल संसाधन के संवर्धन तथा पुर्नउपयोग की दिशा में प्रदेश में इस प्रकार का यह प्रथम प्रयास है, यह कार्य विगत 26 जनवरी 2025 से नगर पालिक निगम रायपुर की पहल एवं प्रयास के फलस्वरूप ऑलोक फेरो द्वारा 3 एमएलडी उपचारित जल लिया जाकर प्रारम्भ कर दिया गया है ।

शहर के प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक सुधार कार्य, हजारों लोगों को मिली राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व व उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन और विकास विभाग अरुण साव के मार्गदर्शन में राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की मंशा अनुरूप रायपुर जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा जिला पुलिस प्रशासन और यातायात विभाग की संयुक्त टीम ने मिलकर रायपुर नगर निगम क्षेत्र के प्रमुख चौक-चौराहों में यातायात को जनहित में जनसुविधा को दृष्टिगत रखकर यातायात सुगम और सुव्यवस्थित बनाने निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं।

रायपुर जिला कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उम्मेद सिंह के निर्देशानुसार प्रमुख चौक-चौराहों का यातायात सुगम एवं सुव्यवस्थित बनाने के कार्य से नागरिकों को त्वरित राहत मिली है। शंकर नगर चौक में ट्रैफिक सी सिग्नल प्रारम्भ करके सड़क चौड़ीकरण किए जाने से प्रमुख चौक-चौराहों का यातायात सुगम बन गया है।

प्रतिदिन हजारों लोग इससे राहत प्राप्त कर रहे हैं। महिला पुलिस थाना चौक उत्कल गौरव मधुसूदन दास प्रतिमा स्थल के पास चौक को सुन्दर और सुव्यवस्थित स्वरूप दिया गया है। रायपुरा चौक, पचपेड़ीनाका चौक सहित अन्य मुख्य चौक-चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल में सुधार सहित आवश्यक सुधार कार्य कर यातायात को सुगम और सुव्यवस्थित बनाने सतत निरन्तर कार्य प्रगति पर है। इन कार्यों का प्रतिदिन राजधानी शहर में यातायात की सुगमता के चलते हजारों लोगों को लाभ प्राप्त हो रहा है।

बीपीओ कॉल सेंटर के माध्यम से संपत्तिधारकों को किया जायेगा कॉल, बकायादारों पर की जाएगी कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर में टीएल बैठक आयोजित की गयी। बैठक में राजस्व वसूली एवं स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नगर निगम द्वारा किये जा रहे कार्यों के समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में नगर निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा द्वारा निगम क्षेत्रान्तर्गत सभी अपार्टमेंट, सोसोयटी, वाणिज्यिक संस्था एवं बड़ी कालोनिया में शिविर के माध्यम से राजस्व वसूली हेतु निर्देश दिया गया। नगर निगम रायपुर सीमा में लगभग 121 हाउसिंग सोसायटी, 144 होटल एवं रोस्टरेंट तथा 62 मैरिज हाल है जिनका लगभग 35 करोड़ से भी अधिक का राजस्व वसूली का बकाया है। इसके लिए व्यापक स्तर पर डिमांड़ बिल का वितरण करते हुये नगर निवेश एवं राजस्व के अमले को शिविर के माध्यम से वसूली हेतु कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही नगर निगम रायपुर द्वारा दो मोबाईल नम्बर 7000611350, 7974595569 जारी किया गया जिसके माध्यम से आम जनता

राजस्व से संबंधित किसी भी प्रकार की कर, टैक्स या अपने कालोनी में शिविर लगाने के संबंध में शिकायत एवं सुझाव काल या व्हाटसएप के माध्यम से दर्ज करवा सकती है।

इसी कम में नगर निगम रायपुर के अपर आयुक्त राजस्व राजेन्द्र गुप्ता द्वारा जोन क्रमांक 1 में राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक की गयी। जोन क्रमांक 1 वसूली की दृष्टि से अन्य जोनों की अपेक्षा पीछे है। अतः यहां समीक्षा बैठक में जोन के नगर निवेश एवं राजस्व विभाग के अमले को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली को बढने हेतु सभी वाणिज्यिक भवनों एवं बड़े बकायादारों को व्यापक स्तर पर डिमांड बिल देते हुये राजस्व वसूली की कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। साथ ही जोन क्रमांक 1 के सहायक राजस्व अधिकारी की मांग पर तत्काल एक राजस्व निरीक्षक एवं एक सहायक राजस्व निरीक्षक को मुख्यालय से जोन भेजा गया।

नगर निगम द्वारा बीपीओ काल सेंटर से निगम क्षेत्र के सभी करदाताओं को काल के माध्यम से उनके डिमांड बिल की जानकारी दी जाने हेतु आपरेटरों को ट्रेनिंग देते हुये कॉलिंग की शुरूआत की गयी। बीपीओ कॉल सेंटर के माध्यम से कॉलर, करदाताओं को उनके कर संबंधित समस्त जानकारी देते हुए समस्याओं का समाधान करेंगे। इस क्रम में नगर निगम द्वारा बीपीओ सेंटर को ढाई लाख करदाताओं की सूची प्रदान की गयी। प्रथम चरण में बीपीओ सेंटर के माध्यम से अगले एक सप्ताह में ढाई लाख करदाताओं को कॉल करने का लक्ष्य दिया गया है जिसके उपरांत पुनः दूसरे चरण की कॉलिंग की शुरूवात की जावेगी।

यूथ हॉस्टल के लिये निगम रायपुर ने केंद्रीय मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव, होगा छत्तीसगढ़ राज्य का पहला यूथ हॉस्टल

शहर में प्रतिदिन रोजगार एवं पढ़ाई के लिए आने वाले लगभग 1000 से अधिक युवा होंगे लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में युवाओं के कल्याणार्थ उन्हें आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने अभिनव पहल कर तैयार करते हुए प्रारंभ किये गये इनोवेट, आरंभ, बीपीओ, कोवर्किंग और इनक्यूबेशन सेंटर्स को केन्द्र सरकार द्वारा सराहना प्राप्त हुई है। केन्द्र सरकार ने इस संदर्भ में प्रस्तुतिकरण करने निर्देश दिये। केन्द्र सरकार के मंत्रालय के निर्देश पर नगर निगम रायपुर ने यूथ हॉस्टल का प्रस्ताव तैयार कर सरकार को भेजा है। स्वीकृति मिलने पर यह छत्तीसगढ़ राज्य का पहला यूथ हास्टल होगा जिसमें लगभग 1000 से अधिक युवा प्रत्यक्ष लाभान्वित हो सकेंगे।

रायपुर जिला कलेक्टर एवं नगर निगम प्रषासक डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार युवाओं के कल्याणार्थ प्रारंभ किया गया इनोवेट युवा शक्ति को अलग-अलग अवसर प्रदान कर रहा है, उन्हें प्रोत्साहित करने का कार्य कर रहा है। इनोवेट युवाओं को डिजिटल इंडिया की दुनिया में डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया, वीडियो रिकॉर्डिंग, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, डिजाइनिंग

इनोवेट, आरंभ, बीपीओ, कोवर्किंग और इनक्यूबेशन सेंटर्स को केन्द्र सरकार ने सराहा

जैसी विभिन्न स्किल्स सीखने का अवसर प्रदान करते हुए तेजी से युवाओं के कौशल उन्नयन के कार्य में लगा हुआ है। इनोवेट में स्टार्टअप्स कोवर्किंग स्पेस, सीखने और काम करने की जगह भी मिलती है, इसी कारण केन्द्र सरकार के मंत्रालय द्वारा इसकी सराहना की गई है। इसी के साथ केन्द्र सरकार के निर्देश पर नगर निगम रायपुर द्वारा यूथ हॉस्टल का प्रस्ताव तैयार कर भेजा गया है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि राजधानी शहर रायपुर में प्रतिदिन लगभग 1000 युवा नौकरी या पढ़ाई के लिए आते हैं। लेकिन उनके ठहरने के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा एक अभिनव पहल की गई है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माध्यम से यूथ हॉस्टल के प्रस्ताव को केन्द्र सरकार को भेजा गया है।

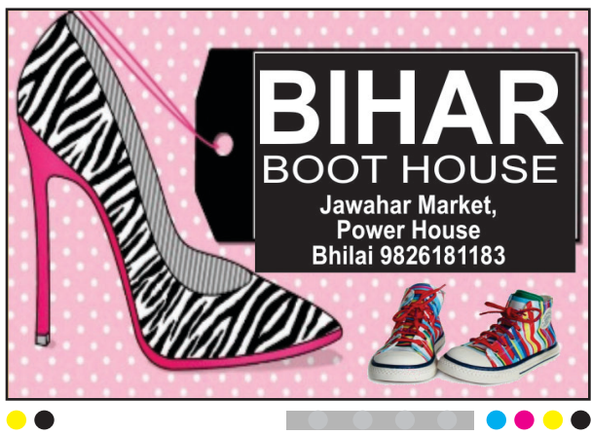

शालिनी पांडे बोलीं- शबाना आजमी स्टारर वेब सीरीज डब्बा कार्टेल का हिस्सा

अभिनेत्री शबाना आजमी और ज्योतिका स्टारर वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। क्राइम-थ्रिलर सीरीज में अभिनेत्री शालिनी पांडे इमोशंस के साथ अपनी भूमिका में मनोरंजन को एक अलग मोड़ देती नजर आएंगी। शालिनी ने कहा कि वह इस सीरीज का हिस्सा बनकर खुश हैं।

शालिनी ने कहा, मैं राजी का किरदार निभा रही हूं। वह एक प्यारी, सरल और घरेलू लड़की है, लेकिन फिर वह उथल-पुथल से गुजरती है। इस किरदार को निभाने के लिए मैंने उसकी गहराई की खोज की और यह मेरे लिए एक शानदार अनुभव था। साधारण राजी पूरी तरह से बदल जाती है। यह शालिनी के लिए एक खोज थी और मेरे लिए राजी की भूमिका निभाना बहुत दिलचस्प था।

अभिनेत्री ने शबाना आजमी और ज्योतिका जैसे सितारों के साथ अपने काम करने के अनुभव को भी शेयर किया। अभिनेत्री ने कहा, मेरे माता-पिता शबाना आजमी को पसंद करते हैं। मैंने उनके बारे में उनसे सुना है। मैंने उनकी कई फिल्म देखी है और मैं शबाना जी की फैन हूं। इस तरह के कलाकारों के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इसकी शूटिंग करते हुए हमें बहुत मजा आया। हमारे पास एक साथ सीन नहीं हैं, मैं उनके काम की प्रशंसा करती हूं, ज्योतिका और अन्य सभी के साथ काम करना काफी मजेदार रहा।

डब्बा कार्टेल का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसमें शबाना आजमी, ज्योतिका और अन्य पांच मध्यमवर्गीय महिलाओं की यात्रा की एक मनोरंजक झलक पेश की गई, जिनका मासूम सा दिखने वाला डब्बा व्यवसाय ड्रग कार्टेल की खतरनाक दुनिया में पहुंच जाता है।

मंगलवार को निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इसका ट्रेलर जारी किया, जिसमें उन्होंने लिखा, वे खाना बना रही हैं और यह बेहद बढ़िया है। 28 फरवरी को सिर्फ नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाले डब्बा कार्टेल को देखें। दिलचस्प ट्रेलर में पांच आम महिलाओं के जीवन की एक रोमांचक झलक दिखाई गई है, जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, महिलाएं और उनके पति एक अंडरवर्ल्ड में उलझ जाते हैं।

हितेश भाटिया के निर्देशन में तैयार सीरीज की स्टोरी को विष्णु मेनन और भावना खेर ने लिखा है। सीरीज का निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट के तहत शिबानी अख्तर, विष्णु मेनन, गौरव कपूर और आकांक्षा सेडा ने किया है। ठाणे के व्यस्त उपनगरों में शुरू होने वाले इस शो में शबाना आजमी, गजराज राव, ज्योतिका, निमिषा सजयन, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद, साईं ताम्हणकर, जीशु सेनगुप्ता, लिलेट दुबे और भूपेंद्र सिंह जाड़ावत हैं।

साड़ी पहन नोरा फतेही ने इंटरनेट पर गिराई हुस्न की बिजलियां

अपने डांस मूव्स और बोल्ड फिगर को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहने वाली एक्ट्रेस नोरा फतेही लोगों के बी काफी पॉपुलर हैं। उन्होंने अपनी हॉटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वो कहर बरपाती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस नोरा फतेही अपनी डांसिंग स्किल्स से फैंस को अक्सर दीवाना बना देती हैं। उनका किलर लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ट्रेडिशनल आउटफिट में कुछ बेहद खूबसूरत फोटोज शेयर की हैं।

इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं नोरा फतेही ने बेहद ही खूबसूरत शिमरी लुक में साड़ी पहनी हुई है। एक्ट्रेस अपने इस लुक से इंटरनेट पर बवाल काट रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर कॉमेंट्स और लाइक्स करते हुए नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

नोरा फतेही की इन फोटोज को इंस्टाग्राम पर पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 3 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने तस्वीरों पर लाइक कर दिया है। वहीं, एक हजार से भी ज्यादा लोगों ने कॉमेंट किया है।

खुले बाल, लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस नोरा फतेही ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से मंत्रमुग्ध हो गए हैं। उनका हर एक अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगता है।

नोरा फतेही सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 47 मिलियन यूजर्स फॉलो करते हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके फैशन स्टेटमेंट्स को देखकर अक्सर दीवाने हो जाते हैं।

एक बदनाम आश्रम का टीजर जारी बाबा निराला बनकर लौट रहे बॉबी

हिट वेब सीरीज आश्रम ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। इस सीरीज ने बॉबी देओल को नई पहचान दिलाई। उन्होंने तीन सीजन के जरिए फैंस का मनोरंजन किया, जिसके बाद फैंस इसके अगले भाग का इंतजार कर रहे थे। हाल ही में निर्माताओं ने आश्रम 3 के दूसरे भाग का एलान किया था। वहीं, अब निर्माताओं ने इस सीजन के तीसरे सीजन के दूसरे भाग का दमदार टीजर जारी कर दिया है।

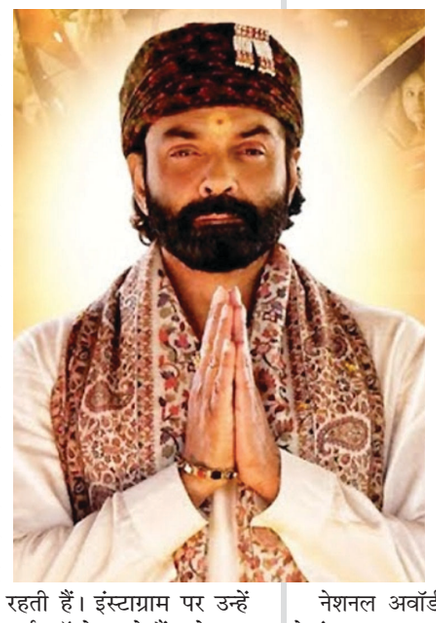

आश्रम 3 पार्ट 2 के टीजर में एक बार फिर बॉबी देओल का बाबा निराला वाला अंदाज देखने को मिल रहा है, जो बेहद चालाकी भरा है। हालांकि, टीजर को देखकर कहा जा सकता है कि पार्ट 2 में पम्मी का अहम रोल देखने को मिलेगा। बाबा निराला की सत्ता में वापसी, निष्ठावान अनुयायियों का अटूट विश्वास और अंदरूनी साजिशों की गूंज एक बदनाम आश्रम सीजन 3 पार्ट 2 का टीजर हैरान कर देने वाला है। इस बार कहानी और भी ज्यादा सस्पेंस और रोमांच से भरी होगी।

टीजर में देखने को मिला कि पम्मी एक बार फिर दमदार अंदाज में लौट आई हैं। इसके साथ ही बाबा निराला की भी खोई हुई ताकत वापस आ गई हैं और वे पहले से भी ज्यादा खतरनाक हो चुके हैं। साथ ही उनके अंधभक्त भी उनके एक इशारे पर कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके करीबियों के बीच तनातनी भी साफ नजर आ रही है। पुराने राज अब बाहर आने वाले हैं और पुराने गद्दार फिर से बाहर आने की तैयारी में हैं।

नेशनल अवॉर्ड विनर प्रकाश झा द्वारा निर्देशित और निर्मित इस रोमांचक क्राइम ड्रामा में दमदार स्टार कास्ट देखने को मिलेगी। बॉबी देओल के अलावा शो में अदिति पोहनकर, चंदन रॉय सान्याल, त्रिधा चौधरी, दर्शन कुमार, विक्रम कोचर, अनुप्रिया गोयनका, राजीव सिद्धार्थ और ईशा गुप्ता अहम भूमिका में नजर आएंगे। एक बदनाम आश्रम सीजन 3- पार्ट 2 बहुत जल्द ही अमेजन एमएक्स प्लेयर पर मुफ्त में स्ट्रीम होने वाला है। रिलीज की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है।

एकता कपूर के शो में नागिन नहीं बनेंगी प्रियंका चाहर चौधरी

सुपरनैचुरल शो नागिन 7 को लेकर अपडेट आया कि इसमें प्रियंका चाहर चौधरी काम करेंगी। हालांकि अब एक्ट्रेस ने एक इंस्टा पोस्ट कि जरिए साफकर दिया कि वह इसका हिस्सा होंगी या नहीं। चलिए आपको बताते हैं एक्ट्रेस ने क्या कहा। एकता कपूर का सुपरनैचुरल शो नागिन 7 कब से शुरू होगा, फैंस ये जानने के लिए बेताब है। साल 2015 में सबसे पहले नागिन शुरू हुआ था और अब तक इसके कई सीजन टीवी पर आ चुके हैं। अबतक नागिन के किरदार में मौनी रॉय, अदा खान, सुरभि ज्योति, निया शर्मा, जैस्मिन भसीन, सुरभि चंदना, हिना खान, तेजस्वी प्रकाश दिख चुकी हैं। अगली नागिन कौन होंगी, इसपर अभी तक कई नाम सामने आए है। लेटेस्ट अपडेट में बताया गया कि विवियन डीसेना, प्रियंका चाहर चौधरी और ईशा मालवीय नागिन 7 में नजर आ सकते हैं। हालांकि प्रियंका ने क्लियर कर दिया कि वह नागिन 7 में नजर नहीं आएंगी।

एकता कपूर ने कुछ समय पहले एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह नागिन 7 पर बात करती दिखी थी। उन्होंने कहा इसपर काम चल रहा है। अब नागिन 7 का हिस्सा बनने पर प्रियंका चाहर चौधरी ने रिएक्ट किया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, अफवाहें? हां, मैंने देखी हैं। रोमांच? सच कहूं तो मुझे मजा आया, लेकिन सच्चाई यही है ङ्क मैं नहीं हूं। अब जब सब कुछ साफ हो गया है, तो चलिए और भी रोमांचक चीजों की तरफ बढ़ते हैं। इसका मतलब साफ है कि प्रियंका शो में नागिन नहीं बन रही।

प्रियंका चाहर चौधरी को इस शो से मिली पहचान

प्रियंका चाहर चौधरी में टीवी इंडस्ट्री में छोटे रोल्स से अपने करियर की शुरुआत की। प्रियंका को रवि दुबे और सरगुन मेहता की उडारियां में उनकी भूमिका के लिए लोकप्रियता मिली। एक्ट्रेस ने शो में तेजो की भूमिका निभाई थी। इस किरदार ने उन्हें अलग पहचान दिलाई। उसके बाद एक्ट्रेस सलमान खान के शो बिग बॉस में नजर आई थी। इसके अलावा एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफको लेकर चर्चा में रहती है। रिपोर्ट्स की मानें तो वह एक्टर अंकित गुप्ता को डेट कर रही हैं। हालांकि दोनों अक्सर एक-दूसरे को अच्छा दोस्त ही बताते हैं।

एक खून और 8 जवान लड़कियां सस्पेक्ट! प्राइम वीडियो की क्राइम थ्रिलर सुजल-2 का ट्रेलर रिलीज

सुजल सुनने में ये नाम थोड़ा अजीब लगता है मगर जब आप इस सीरीज के अंदर जाते हैं तो आपको एक ऐसी दुनिया का आभास होता है जो काफी डरावनी है। सुजल एक तमिल भाषा का शब्द है जिसका मतलब है भंवर जिसे अंग्रेजी में वर्टेक्स कहते हैं। अपने नाम को जस्टिफाई करता ये शो अब एक मर्डर की उलझी पहेली को लेकर आने वाला है।

सीरीज के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है जिसके साथ इसके स्टीम होने की तारीख का भी पता चल गया है। इस ट्रेलर ने ऑडियंस को फिर से सस्पेंस और मिस्ट्री के तूफान के बीच पहुंचा दिया है जिसको लेकर लोग काफी एक्साइटेड हो गए हैं।

सेकेंड सीजन के ट्रेलर की बात करें तो ये एक मर्डर कहानी दिखाने वाली है जिसकी जांच में एक नहीं बल्कि कुल 8 लड़कियों के नाम सामने आए हैं। काथिर को इस केस को सोल्व करने की जिम्मेदारी दी गई है। वो केस को सुलझाते हुए नए जाल में फंसता चला जाता है वहीं ऐश्वर्या राजेश द्वारा निभाए नंदिनी के किरदार को जेल में अपने अतीत और अनिश्चित भविष्य के साथ समझौता करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। फैंस ट्रेलर को देखकर काफी एक्साइटेड हो गए हैं। शो फरवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाला है।

सुजलः द वोर्टेक्स 2 की कास्ट की बात करें शो में काथिर और ऐश्वर्या राजेश वापसी के अलावा कई नए कलाकार शामिल हुए हैं। सीरीज में सरवनन, गौरी किशन, संयुक्ता विश्वनाथन, मोनिशा ब्लेसी, रिनी, श्रीशा, अभिराम बोस, निखिला शंकर, कलैवानी भास्कर और अश्विनी नांबियार ने मुख्य भूमिकी निभाई है। वहीं दर्शकों को मंजिमा मोहन और कयाल चंद्रन की स्पेशल अपीयरेंस देखने को मिलने वाली है।

सुडलः द वोर्टेक्स सीजन 2 को प्राइम वीडियो पर तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज किया जाएगा। सुडलः द वोर्टेक्स सीजन 2 को वॉलवॉचर फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है और इसकी कहानी को पुष्कर और गायत्री ने लिखने के साथ प्रोड्यूस किया है। सीरीज का निर्देशन ब्रम्मा और सरजुन केएम ने किया है।

सीजन 2 की कहानी अगर आपको नहीं तो हम आपका ये काम आसान कर देते हैं। सीजन 1 की स्टोरी एक छोटे से शहर से शुरू होती है जहां पर एक सीमेंट फैक्ट्री है, जिसमें आग लग जाती है और सब कुछ खाक हो जाता है। जिस रात सीमेंट की फैक्ट्री में आग लगती है, उसी रात शहर से एक लड़की गायब हो जाती है। दोनों ही घटनाएं जब होती है तो उस समय शहर में लोक देवी का एक नौ दिवसीय आयोजन चल रहा होता है। पुलिस सीमेंट की फैक्ट्री में लगी और गायब हुई लड़की की तलाश करती है। इस जांच में जैसे-जैसे पुलिस आगे बढ़ती है, कई चौंकाने वाले राज सामने आते हैं।

नारियल तेल के जरिए दूर हो सकते हैं त्वचा के दाग-धब्बे

नारियल तेल का उपयोग कई स्वास्थ्य और सौंदर्य समस्याओं को ठीक करने के लिए किया जाता है। यह प्राकृतिक रूप से त्वचा की देखभाल में मदद करता है और दाग-धब्बों को कम करने की क्षमता रखता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे नारियल तेल का सही तरीके से उपयोग करके आप अपनी त्वचा को साफ और स्वस्थ बना सकते हैं। ये सुझाव पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए उपयुक्त हैं और त्वचा में चमक ला सकते हैं।

नारियल तेल से करें मालिश

नारियल तेल से मालिश करने से त्वचा को नमी मिल सकती है और दाग-धब्बों को हल्का किया जा सकता है। इसके लिए थोड़ी मात्रा में नारियल तेल लें और उसे हल्के हाथों से प्रभावित जगह पर लगाएं। धीरे-धीरे गोलाकार गति में मालिश करें, ताकि तेल अच्छी तरह से त्वचा में समा जाए। यह प्रक्रिया रोजाना रात को सोने से पहले करें, ताकि आपकी त्वचा रातभर इसे अवशोषित कर सके। इससे न केवल दाग हल्के होंगे, बल्कि त्वचा मुलायम बनेगी।

स्क्रब बनाकर करें उपयोग

नारियल तेल के साथ चीनी मिलाकर एक प्राकृतिक स्क्रब तैयार किया जा सकता है, जो मृत कोशिकाओं को हटाने में सहायक होता है। इसके लिए एक चम्मच नारियल तेल और आधा चम्मच चीनी मिलाएं और इसे प्रभावित क्षेत्र पर लगाकर हल्के हाथों से रगड़ें। इस प्रक्रिया को हफ्ते में 2 बार दोहराएं, ताकि नई कोशिकाओं का निर्माण हो सके और दाग-धब्बे धीरे-धीरे कम हो सकें। यह स्क्रब आपकी त्वचा की चमक बढ़ाने के साथ-साथ उसे साफ-सुथरा भी बनाएगा।

एलोवेरा जेल के साथ मिलाएं

एलोवेरा जेल और नारियल तेल का मिश्रण भी दाग-धब्बों को मिटा सकता है। दोनों ही तत्व एंटीऑक्सीडेंट से लैस होते हैं, जो त्वचा की मरम्मत करते हैं और उसे स्वस्थ बनाते हैं। इसके लिए बराबर मात्रा में एलोवेरा जेल और नारियल तेल को मिलाकर प्रभावित जगह पर लगाएं और 20 मिनट तक छोड़ दें। अब गुनगुने पानी से चेरा साफ करें। इस उपाय को हफ्ते में 3 बार अपनाने से आपको बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

नींबू के रस के साथ करें प्रयोग

नींबू के रस में विटामिन-सी होता है, जो दाग-धब्बों को हल्का करता है। वहीं, नारियल तेल नमी प्रदान करता है, जिससे जलन नहीं होती। एक कटोरी में एक चम्मच नींबू का रस और नारियल तेल मिलाएं और प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं। 15 मिनट तक सुखाने के बाद चेहरे को धो लें। इस उपाय को धूप में जाने से पहले न करें, क्योंकि इससे जलन हो सकती है। इसे सप्ताह में 2 बार आजमाएं, ताकि जल्द लाभ मिल सकें।

अपनी कलाई को मजबूत बनाने के लिए करें ये एक्सरसाइज

रोजमर्रा के कामों को बिना किसी परेशानी के पूरा करने के लिए कलाई की मजबूती बहुत अहम होती है। चाहे वह कंप्यूटर पर काम करना हो या खेल-कूद, मजबूत कलाई से हम बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। इस लेख में हम 2 ऐसी एक्सरसाइज के बारे में जानेंगे, जो आपकी कलाई को मजबूत बनाने में आपकी मदद करेंगे। ये एक्सरसाइज न केवल आपकी कलाई की ताकत बढ़ाएंगी, बल्कि चोट से बचाने में भी सहायता करेंगी।

हाथों को घुमाएं

हाथों को घुमाना एक सरल और प्रभावी एक्सरसाइज है, जो कलाई की मांसपेशियों को सक्रिय करती है। इसे करने के लिए, अपने हाथ को सीधा रखें और धीरे-धीरे अपनी कलाई को

गोलाकार दिशा में घुमाएं। इसे क्लॉकवाइज और फिर एंटी-क्लॉकवाइज दिशा में 10-15 बार दोहराएं। यह एक्सरसाइज रक्त संचार को बढ़ाती है, जिससे मांसपेशियों का लचीलापन और कलाई की ताकत भी बढ़ती है। नियमित रूप से इसे करने से आप अपनी कलाई की मजबूती में सुधार देख सकते हैं।

जानिए इस एक्सरसाइज के फायदे

इस एक्सरसाइज के जरिए कलाई की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और लचीलापन बढ़ता है, जिससे रोजमर्रा के कामों में आसानी होती है। यह खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो लंबे समय तक कंप्यूटर पर काम करते हैं या जिनकी दिनचर्या में भारी सामान उठाना शामिल होता है। नियमित अभ्यास से दर्द और थकान से राहत मिलती है, जिससे कार्यक्षमता भी बढ़ती है और चोट लगने का खतरा कम होता है।

पुश-अप्स करें

पुश-अप्स एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जिससे आप अपनी पूरी बांहों के साथ-साथ कलाइयों को भी मजबूत बना सकते हैं। इसे करने के लिए, जमीन पर पेट के बल लेटें। अब अपने हाथों और पैरों पर संतुलन बनाते हुए शरीर को ऊपर उठाएं। ध्यान रखें कि आपकी पीठ सीधी रहे और पेट अंदर की ओर खिंचा हो। धीरे-धीरे शरीर को नीचे लाएं और फिर से ऊपर उठाएं। यह एक्सरसाइज आपकी कलाइयों की ताकत बढ़ाने में मदद कर सकती है।

पुश-अप्स करने के फायदे

पुश-अप्स आपके पूरे शरीर की ताकत बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इसे करने से कलाइयों पर जोर पड़ता है, जिससे उनकी मजबूती में सुधार होता है। नियमित रूप से पुश-अप्स करने से न केवल कलाइयों की ताकत बढ़ती है, बल्कि सहनशक्ति भी बेहतर हो जाती है। यह एक्सरसाइज आपके कंधों और छाती की मांसपेशियों को भी मजबूत बना सकती है, जिससे आप रोजमर्रा के कामों में अधिक दक्षता महसूस कर सकते हैं।

रोजाना खाली पेट करें वर्कआउट, मिल सकते हैं ये फायदे

खाली पेट वर्कआउट करना एक ऐसा विषय है, जिस पर अक्सर चर्चा होती है। कुछ लोग इसे सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं, जबकि कुछ इसे नुकसानदायक समझते हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि खाली पेट वर्कआउट करने के क्या फायदे हो सकते हैं और यह कैसे आपके फिटनेस लक्ष्यों को पूरा करने में मदद कर सकता है। यह जानकारी उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकती है, जो अपने स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर गंभीर हैं।

वजन घटाने में है मददगार

खाली पेट वर्कआउट करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह वजन घटाने में मदद करता है। जब आप बिना खाए एक्सरसाइज करते हैं तो शरीर ऊर्जा के लिए जमा चर्बी का उपयोग करता है। इससे कैलोरी बर्न होती है और वजन कम होता है। हालांकि, ध्यान रखें कि अगर आप बहुत ज्यादा थकान महसूस करते हैं तो तुरंत कुछ हल्का खा लें ताकि आपकी ऊर्जा बनी रहे।

मेटाबॉलिज्म को दे सकता है बढ़ावा

खाली पेट वर्कआउट करने से मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा मिलता है। जब आप सुबह बिना खाए एक्सरसाइज करते हैं तो आपका शरीर जमा चर्बी का उपयोग कर अधिक कैलोरी बर्न करता है। इससे न केवल मेटाबॉलिज्म तेज होता है, बल्कि ऊर्जा का स्तर भी ऊंचा रहता है। इस कारण से आप दिनभर सक्रिय और तरोताजा महसूस करते हैं, जिससे आपकी दैनिक गतिविधियों में सुधार होता है और फिटनेस लक्ष्यों को तेजी से पाने में मदद मिलती है।

इंसुलिन संवेदनशीलता में हो सकता है सुधार

खाली पेट एक्सरसाइज करने से इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार होता है, जिससे शरीर शक्कर को बेहतर तरीके से प्रोसेस कर पाता है और ब्लड शुगर लेवल संतुलित रहता है। यह मधुमेह के मरीजों के लिए फायदेमंद हो सकता है क्योंकि यह ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसके अलावा यह ऊर्जा स्तर को भी ऊंचा बनाए रखता है, जिससे आप दिनभर तरोताजा महसूस करते हैं और आपकी सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

मानसिक स्पष्टता और ध्यान केंद्रित करना होगा आसान

खाली पेट एक्सरसाइज करने से दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ती है, जिससे मानसिक स्पष्टता आती है और ध्यान केंद्रित करना आसान हो जाता है। सुबह-सुबह बिना खाए एक्सरसाइज करने से दिमाग को ताजगी मिलती है, जिससे सोचने-समझने की क्षमता बेहतर होती है। इस प्रक्रिया में शरीर को ऊर्जा का सही उपयोग करना आता है। हालांकि, इसे अपनाते समय अपने शरीर की सुनना जरूरी होता है। अगर कोई असुविधा महसूस हो रही हो, तो विशेषज्ञ की सलाह लें।

तोर पैरी के रुनझुन रुनझुन गीत ने दर्शकों का मन मोह लिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प में आठवें दिन सांस्कृतिक मंच पर कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की सुंदर प्रस्तुति देकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। लीलाधर साहू ने लोककला मंच के माध्यम से छत्तीसगढ़ की संस्कृति को दर्शाते हुए सुपरहिट गीत और नृत्य से दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया। गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए बेल तरी बेलन..., हाय रे डारा लोर..., जप हर-हर-हर भोला..., तोर पैरी के रुनझुन..., काबर तै मारे मोला..., छोड़ के मोला..., जैसे पॉपुलर छत्तीसगढ़ी गीत -नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से दर्शक झूम उठे।

कर्मा नृत्य सड़के..सड़के की प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इसी मंच पर गुंजन तिवारी ने सुंदर हाव भाव के साथ ताल से ताल मिलाते हुए कत्थक नृत्य की प्रस्तुति दी। केशव राम भाटापारा, ममता शिंदे, ईश्वर देवांगन साहू ने भी लोक कला मंच से अंत तक दर्शकों को झूमने के लिए विवश कर दिया। कलाकारों का सम्मान संयुक्त कलेक्टर राकेश गोलछा, राजिम एसडीएम विशाल महाराणा द्वारा किया गया।

इसी तरह दोपहर 12 बजे से स्थानीय मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत सतनाम बालिका पंथी दल द्वारा पंथी नृत्य से हुआ। बिजली की गति से पंथी नृत्य की शानदार प्रस्तुति देकर बालिका पंथी नृत्य ने दर्शकों की काफी ताली बटोरी। शुक्ला भाटा से आई फाग मंडली ने फाग गीत गाकर गीतों के माध्यम से ऐसा रंग बरसाया कि फाग गीत के रंग से दर्शक सराबोर हो गए। अकलवारा से आई मानस गायन मंडली ने मानस के चौपाइयों पर रामायण के प्रसंगों का वरण किया। सुमधुर वाणी से राम की वर्णनात्मक व्याख्या से श्रोता भक्ती में डूब गए। पोड़ की सतनाम मंगल भजन मंडली ने बाबा गुरु घासीदास के दर्शन और उद्देश्यों को गीतों के माध्यम से श्रोताओं को जोड़ने का प्रयास किया। सुमधुर भजनों की धून पर दर्शक झूम उठे। वनवरद अहिरवारा की लोक मंच के कलाकारों ने छत्तीसगढ़ी गीतों पर अपनी प्रस्तुति देकर छत्तीसगढ़ की लोक कला से दर्शकों को जोड़ते हुए भरपूर मनोरंजन किया। इसके बाद पोखरा कॉकस गीत मंडली ने जस गीत गाकर पूरे पंडाल में भक्ती रस बिखेरा कि दर्शक झूमने पर मजबूर हो गए। राजिम के प्रयाग साहित्य एवं त्रिवेणी साहित्य समिति के कवियों द्वारा कवि सम्मेलन में अपनी कविता, गीत, गजल द्वारा दर्शकों को खूब गुदगुदाया।

राजिम कुंभ कल्प में पहुंचा 12 साल का नागा बाबा, बना कौतूहल का विषय

कठिन परीक्षा के बाद नागा साधु बनने होते हैं पात्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प में विभिन्न क्षेत्रों से नागा साधु संत पहुंचे हुए हैं। इन नागा संतों के बीच एक 12 साल का नागा बाबा श्रद्धालुओं के लिए कौतूहल का विषय बना हुआ है। नागा बाबा का नाम देवागिरी महाराज है, जो जूना अखाड़ा के 13 मणि जगरामा परिवार में शामिल हुआ है।

कक्षा छटवीं तक पढ़ा नरसिंगपुर जिले का रहने वाला ये बाल नागा धर्म की रक्षा और ईश्वर प्राप्ति के लिए नागा बनना स्वीकार किया है। अभी उनकी प्रारंभिक स्थिति है। कुछ बरसों की कठिन परीक्षा और परीक्षण के बाद उन्हें विधिवत नागा पद्धति से दीक्षित किया जाएगा। तब वे पूर्ण रूप से नागा साधु बनने के लिए पात्र होंगे।

कुंभ मेले में पहुंचे लोगों में यह चर्चा बनी हुई है कि इतनी छोटी सी उम्र में नागा साधुओं के कठोर नियम और विधान को ये नन्हा बालक नागा साधु कैसे कर पाएगा? वैसे नागा साधुओं की बात करें तो, इसकी प्रक्रिया आसान नहीं होती है। नागा बनने के लिए पहले अखाड़े में सेवा देनी पड़ती है। इस दौरान अखाड़ा, आवेदक का इतिहास और पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी इकट्ठा करता है।

आवेदक का गृहस्थ आश्रम से कोई संबंध नहीं होना चाहिए। फिर किसी कुंभ मेले में उसे दीक्षा दी जाती है। जिसमें दीक्षा लेने वालो को पिंडदान करना होता है। दीक्षा प्रक्रिया के बाद उसे नए नाम के साथ अखाड़े में प्रवेश मिलता है।

संत समागम में हो रहे भागवत महापुराण कथा का पूर्णाहुति के साथ समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला के संत समागम परिसर में 13 से 19 फरवरी तक श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया गया। कथा वाचक डा. संजय कृष्ण सलिल महाराज ने 7 दिनों तक कुंभ मेले में भक्ति भाव की गंगा बहा दी। उन्होंने अपने प्रवचन में बताया कि भागवत लोगों को कल्याणार्थ मोक्ष प्रदान करने वाला है। सनातन धर्म में भागवत ऐसा ग्रंथ है, जो जीने की कला नहीं, अपितु मरने की भी कला सिखाती है। राजा परीक्षित को जब ज्ञात हुआ कि उनकी मृत्यु सातवें दिन निश्चित है, तब उन्होंने अपने कल्याणार्थ सुखदेव जी महाराज से भागवत कथा का शुद्ध अंत:करण से श्रवण कर मोक्ष को प्राप्त किया। आज के दौर में भागवत कथा प्रासंगिक है क्योंकि जीवन के संघर्ष में व्यक्ति अपनी मृत्यु भूल गया है, जो अटल सत्य है। भागवत उसे मृत्यु के भय से मुक्त कर उसका मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती है। भागवत भक्त और भगवान के बीच कड़ी जोड़ने का काम करती है। यह भक्त और भगवान की कथा है, जिसमें राम, कृष्ण और महाभारत के विशेष प्रसंगों का वर्णन है कि किसी प्रकार जीवन में संयम रखते हुए मोक्ष की प्राप्ति की जा सकती है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को उपदेश देते हुए कहा है कि धर्म का आचरण करते हुए व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए, तभी धर्म की स्थापना संभव है। कर्म प्रधान है, कर्म से ही व्यक्ति को अर्थ, काम और मोक्ष प्राप्त होता है। लोभ क्रोध से मुक्ति मिलती है। निर्मल मन से की गई भक्ति से ही ईश्वर की प्राप्ति संभव है।

बुधवार को भागवत कथा का समापन पूर्णाहुति हवन पूजन के साथ संपन्न हुआ। भागवत कथा में उपस्थित पं. ब्रह्मदत्त शास्त्री ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प में लंबे अंतराल के बाद महाराज जी का कथा सुनने का सौभाग्य मिला है।

नगर निगम चिरमिरी में स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियाँ शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

एमसीबी। जिले के चिरमिरी नगर पालिक निगम के नवनिर्वाचित महापौर राम नरेश राय ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के तहत चिरमिरी शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने की दिशा में नगर निगम के आयुक्त राम प्रसाद आचला, सहायक अभियंता विजय बधावन, स्वच्छता अधिकारी उमेश तिवारी, ज़िला समन्वय (पीआईयू), प्रवीण सिंह व संबंधित अधिकारियों के साथ स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर फ़ीडबैक लिया।

महापौर राय ने चिरमिरी के विभिन्न क्षेत्रों का घूमघूम कर दौरा किया व साफ़-सफ़ाई व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। नगर निगम के आयुक्त राम प्रसाद आचला को भी महापौर ने सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने निर्देशित किया। महापौर ने आमजनों से भी अपील करते हुए कहा कि गिला व सूखा कचरा अलग-अलग रखने और कचरा को वाहन में डालने के लिए आग्रह किया।

महापौर ने बताया कि लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के लिए नगर निगम जो भी काम रहा है, उन्हें जन-जन तक पहुँचाया जाना चाहिए। उन्होंने स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर लोगों को जागरूक भी किया। इस दौरान महापौर ने नगर निगम के फायर स्टेशन का निरीक्षण कर उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों से बात की व निगम के कार्य में तेजी लाने अधिकारियों को निर्देशित किया।

कोयला मंत्रालय ने कोयला क्षेत्र में अवसरों और वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी पर कोलकाता में जानकारी कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली (पीआईबी)। कोयला मंत्रालय ने आज कोलकाता में 'कोयला क्षेत्र में अवसर और वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी' पर एक जानकारी कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त मुख्य अतिथि थे और इस अवसर पर कोयला मंत्रालय की अपर सचिव और नामित प्राधिकारी सुश्री रूपिंदर बरार भी मौजूद थीं। उन्होंने हितधारकों को मदद देने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के दिग्गजों, निवेशकों और हितधारकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। इसमें प्रगतिशील सुधारों और पारदर्शी नीतियों के माध्यम से कोयला क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया।

कोयला मंत्रालय की अपर सचिव एवं मनोनीत अधिकारी सुश्री रूपिंदर बरार ने अपने स्वागत भाषण में निवेशकों को निवेश प्रक्रिया के दौरान उनकी मदद करने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता का भरोसा दिलाया। उन्होंने इस क्षेत्र में आसान मंजूरी प्रक्रियाओं और व्यापार करने में आसानी में निरंतर बढ़ोतरी पर जोर दिया। सुश्री बरार ने कहा कि मंत्रालय सभी हितधारकों के लिए एक निर्बाध निवेश यात्रा सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है, जिसे पारदर्शी नियामक ढांचे और त्वरित परियोजना अनुमोदन के जरिए बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कोयला उपयोग विधियों में विविधता लाने, पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और खनन दक्षता बढ़ाने के लिए कोयला गैसीकरण और भूमिगत खनन को बढ़ावा देने वाली सरकार की प्रगतिशील नीतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने ईमानदारी, जवाबदेही और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए सुशासन के लिए मंत्रालय की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। साथ ही, हितधारकों के साथ संवाद, फीडबैक और सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहने की बात कही।

कोयला मंत्रालय के सचिव श्री विक्रम देव दत्त ने अपने मुख्य भाषण में भारत के कोयला संसाधनों की अप्रयुक्त क्षमता को उजागर करने के मंत्रालय के दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस तरह जारी सुधार सतत विकास को बढ़ावा दे रहे हैं और सभी हितधारकों को परस्पर लाभ पहुंचा रहे हैं। इससे यह सुनिश्चित हो रहा है कि भारत का कोयला क्षेत्र आर्थिक विकास और ऊर्जा सुरक्षा का एक मजबूत चालक बना हुआ है। श्री दत्त ने विभिन्न राज्य सरकारों और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों के साथ कोयला मंत्रालय के सक्रिय समन्वय का भी उल्लेख किया, ताकि शीघ्र मंजूरी में तेजी लाई जा सके और रेल मंत्रालय के माध्यम से लॉजिस्टिक्सस सहायता बढ़ाई जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी नीलामी में भूमिगत खनन को भी जगह मिलेगी, जिससे पर्यावरणीय प्रभाव को कम रखते हुए कोयला निष्कर्षण के लिए एक टिकाऊ और कुशल दृष्टिकोण पेश किया जा सकेगा।

उन्होंने निजी कंपनियों से आग्रह किया कि वे न केवल खनन में निवेश करें बल्कि उन समुदायों के लिए भी सार्थक योगदान दें, जिनके बीच वे काम करते हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उद्योग समाज का ऋणी है और उसे वनरोपण, जीर्णोद्धार तथा कल्याणकारी पहलों में नए मानक स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा, हमारा विकास समावेशी होना चाहिए और हमारी प्रगति ऐसी होनी चाहिए जो लोगों तथा धरती दोनों पर स्थायी, सकारात्मक प्रभाव छोड़े।

किस्टाराम में सिविक एक्शन कार्यक्रम, 250 ग्रामीणों हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिले के नक्सल प्रभावित किस्टाराम में गुरूवार को सीआरपीएफ212 बटालियन के सूरजपाल वर्मा पुलिस उप महानिरीक्षक (परिचालन) रेंज कोन्टा एवं दीपक कुमार श्रीवास्तव कमांडेंट 212 बटालियन की उपस्थिति में सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों के अंदर सुरक्षा का भाव उत्पन्न करना एवं केंद्र और राज्य सरकार की सभी लाभकारी योजनाओं की जानकारी को आम लोगों तक पहुंचाना था। कार्यक्रम की शुरुआत नक्सलियों से लोहा लेते समय कदूती गुब्बल में शहीद कन्हाई मांझी के फोटो पर माल्यार्पण कर किया गया।

आयोजित कार्यक्रम में गांव मंगलगुड़ा सनमपेंटा, किस्ताराम, आमापेंटा, कासाराम , पटेलपारा, बाजारपारा एवं पलोदी के आस-पास के लगभग 250 ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों को उनके जरूरत की सामग्री जैसे साड़ी ,कंबल ,लूंगी -धोती, चप्पल, बर्तन, सोलर लाइट ,पानी स्टोरेज रखने के लिए टंकी ,खेती करने के लिए उपयोगी सामग्री जैसे फावड़ा, गैती , खुरपी, दराती इत्यादि, एवं ग्रामीण बच्चों को उनकी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने में मनोरंजन के लिए किस्टाराम आश्रम स्कूल को टेलीविजन तथा बच्चों के पढ़ाई के उपयोग हेतु स्कूल को यूनिफॉर्म , बैग ,कॉपी ,पुस्तक ,पेंसिल, पेन तथा खेल से जुड़ी सामग्री एवं कासाराम क्रिकेट संघ के खिलाड़ियों के बीच बैट ,बॉल ,वॉलीबॉल, फुटबॉल आदि वितरण किया गया।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

बस ने मासूम को रौंदा, हुई मौत

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में रनचीरई थाना क्षेत्र के ग्राम बेलटिकरी में बुधवार की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सुमित ट्रेवल्स की तेज रफ्तार बस ने तीन साल के मासूम जाहिद भारती, पिता प्रदीप भारती को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने सड़क पर उतरकर हंगामा किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह बस ग्राम कसौंदा स्थित एक निजी फैक्ट्री में मजदूरों को लाने-ले जाने का काम करती थी। वाहन तेज रफ्तार में था जिससे चालक कंट्रोल नहीं कर पाया। वहीं, बच्चा रोड तक कैसे पहुंचा इसकी भी जांच की जा रही है।

साथ ही, वे मुआवजे की मांग को लेकर देर रात तक प्रदर्शन करते रहे। घटना की सूचना पाकर एसडीओपी और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को शांत कराने का प्रयास किया। रनचीराई थाना प्रभारी राधा बोरकर ने बताया कि बस को जब्त कर लिया गया है और मृतक बच्चे का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। वहीं, प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि दोषी चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मासूम जाहिद भारती की मौत से उसके परिवार में कोहराम मच गया है। पिता प्रदीप भारती और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है और लोग इस हादसे से गहरे सदमे में हैं।

नशे के कारोबार का हुआ भांडाफोड़ तीन आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर। जिले में कफ सिरप और नशीली इंजेक्शन के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 149 कफ सिरप और 200 प्रतिबंधित इंजेक्शन बरामद किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, तीन युवक कफसिरप और प्रतिबंधित इंजेक्शन लिए घूम रहे थे। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 149 कफ सिरप और 200 प्रतिबंधित इंजेक्शन बरामद किया गया है, जिसकी कीमत लगभग 2 लाख 49 हजार रुपए है। पुलिस ने बताया कि, आरोपी उत्तर प्रदेश से नशीली दवा लाकर सरगुजा में खपाते थे। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

मायके जाने से पति ने रोका, तो फंदे पर झूल गई पत्नी

बालोद। 18 फरवरी की सुबह घर से लापता महिला का शव जंगल में फांसी के फंदे पर लटका मिला है। मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाया है। डौंडी पुलिस मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को शव सौंपकर मामले की जांच में जुटी है। महिला की लाश डौंडी थाना क्षेत्र के सुरडोंगर और खुर्सीटिकुर गांव के बीच जंगल में मिली है। सड़ी गली लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतिका 33 वर्षीया दुलेश्वरी साहू ग्राम सुरडोंगर की रहने वाली है। मृतिका के 2 बच्चे भी हैं। मृतिका के परिजनों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार मायके नहीं जाने देने पर महिला घर से निकल गई थी। उसका शव फांसी के फंदे पर लटका मिला है। हर एंगल से जांच की जा रही है।

पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र का मामला : रेलवे कर्मी ने लगाई फांसी, बहन का आरोप, पत्नी व बेटे ने मारकर लटकाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में गुरुवार की सुबह रेल कर्मी की लाश फंदे से लटकती मिली। भिलाई तीन पदुम नगर स्थित अपने निवास पर ही रेलवे कर्मी की लाश देखी गई। फंदे पर लटकती लाश मिलने से हड़कंप मच गया। आनन फानन में पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुरानी भिलाई पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव पीएम के लिए भेज दिया। वहीं इस मामले में मृतक रेलवे कर्मी की बहन का आरोप है कि उसके भाई को उसकी पत्नी व बेटे ने मारकर लटका दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान एन श्याम (56) रूप में हुई है। एन श्याम रेलवे कर्मचारी है। गुरुवार की सुबह उसकी लाश उसके कमरे में फंदे से लटकती मिली। इसकी सूचना मिलने के बाद पुरानी भिलाई पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई की। शव को उतारने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। इस घटना के बाद मृतक एन श्याम की बहन सलोनी ने आरोप लगाया है कि उसके भाई की हत्या की गई है।

मृतक की बहन सलोनी का कहना है के उसके भाई के शरीर पर कई चोट के निशान हैं। उसे बेरहमी से पीटा गया और हत्या के बाद शव को लटका दिया गया है। वहीं सलोनी ने यह भी कहा है कि पुरानी भिलाई पुलिस उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं कर रही है। वहीं इस पूरे मामले में पुरानी भिलाई पुलिस का कहना है कि शव का पीएम कराया गया है। पीएम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भिलाई में दुष्कर्म के बाद नाबालिग लड़की ने लगाई फांसी, राष्ट्रीय हुसैनी सेना ने सैकड़ों लोगों के साथ घेरा थाना

भिलाई। भिलाई में 17 साल की लड़की ने रेप के बाद घर पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। कमरे में सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने आदि बारले (19) और उसके दोस्तों पर गैंगरेप करने का आरोप लगाया है। लड़की के मोबाइल में कई ऑडियो रिकॉर्डिंग भी मिले हैं, जिसमें 16 फरवरी को गैंगरेप का जिक्र है। घटना के दो दिन बाद रविवार 18 फरवरी को उसने सुसाइड किया है। राष्ट्रीय हुसैनी सेना के जिला अध्यक्ष सोहैल राईन के नेतृत्व में समाज के सैकड़ों लोगों ने स्मृति नगर थाना का घेराव कर दिया ।तब जाकर पुलिस प्रशासन ने FIR लिख अतिशीघ्र गिरफ्तारी का आश्वाशन दिया पुलिस ने दिया है।

स्मृति नगर थाना घेराव में मुख्य रूप से नेतृत्व कर्ता दुर्ग जिला अध्यक्ष सोहैल राईन, गुफरान खान, मो. शाहिद खान, सुहैल अहमद, परवेज सलमानी रमजान खान, अजमत हुसैन (लल्लू), मो. गौस (छोटू), अफताब अंसारी, मो. यासीन, रईस इमाम, मो. अफजल, जहांगीर हुसैन, नदीम खान.हैदर अली, अफसर अली, शहीद भाई, मसी आजाद, मो. लुकमान, जिम्मी भाई, मो. अंसार, सदाकत अली, मो. शाबिर, अरमान रजा, सलमान, जानी भाई, शहादत अंसारी आदि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने दर्ज किया केस

स्मृतिनगर क्षेत्र में नाबालिग के आत्महत्या के प्रकरण में मर्ग जांच के क्रम में प्राप्त सुसाइड नोट परिजनों के कथन एवं मोबाइल फोन के विश्लेषण से प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर आरोपी आदि बारले के विरुद्ध आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण धारा 108 बी एन एस ,बलात्संग की धारा 64(2)(m)बी एन एस,एवम पॉक्सो एक्ट की धारा 5(b),6 के तहत अपराध कायम किया जाकर विवेचना किया जा रहा है प्रकरण में संलिप्त आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया जाएगा।

इलेक्ट्रिकल कारोबारी को झांसा देकर लाखों की धोखाधड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मोवा इलाके में सैफ सर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी के कारोबारी से आर्मी एयापोर्ट आथॉरिटी का अफसर बताकर इलेक्ट्रानिक सामान आर्डर कर गेट पास का झांसा देकर किश्तों में 4,97,232 रुपए लेकर धोखाधड़ी कर फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 318-4 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

पुलिस के मुताबिक सैय्यद मोहम्मद ताईक रजा डीगवाडीह सूपरवाईजर फ्लैट धनबाद झारखण्ड निवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वर्तमान में दुबे कालोनी मोवा में रहता है और सैफ सर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी का संचालन है। 31 जनवरी को शाम 7.21 बजे उसके फोन पर अज्ञात मोबाईल नंबर 7209718100 से कॉल आया था। जिसमें उसने खुद को इंडियन आर्मी एयरपोर्ट आथॉरिटी ऑफ इंडिया का अफ्सर कुणाल चौधरी बताया। और वॉट्सअप पर मैसेज कर इलेक्ट्रिक बेंच ग्राईण्डर खरीदने के लिए कोटेशन मांगा। जिस पर सैय्यद ने उसी दिन रात में उसे कोटेशन भेज आर्डर कंफर्म किया। दूसरे दिन आरोपी ने व्हाटसअप में परचेस आर्डर पीओ कॉपी पीडीएफ भेजा। जिसपर सैय्यद ने 10 जनवरी तक सामान डिलिवर होने का आसवाशन दिया। फिर दस को सैय्यद ने फोन कर डिलिवरी देने की बता कही, तो आरोपी ने उसे गेट पास और अन्य दस्तावेज व्हाटसअप से भेज दिया। उसके बाद मोबाईल 7209723758 नम्बर से कॉल कर वैण्डर रजिस्ट्रेशन और गेट पास के लिए पैसा भेजने को कहा जो सामान डिलिवारी के बाद वापस होना बताया। सैय्यद उनकी बातों में आ गया। और उसके बताए खाता में किश्तों में 4 लाख 97 हजार रूपए जमा करा दिए। जिसके बाद सैय्यद को बैंक से खाता होल्ड कराने का मैसेज आया। जिसमें ठगी होने के शक में उसने पंडरी थाना जाकर धोखाधड़ी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ 318-4 का अपराध दर्ज कर मोबाइल नम्बर और बैंक खाता की जानकारी लेकर अज्ञात आरोपी की तलाश में जुट गई है।

नाना ने नाबालिग नाती के साथ की दरिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला पेंड्रा मरवाही। पेंड्रा थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले रिश्ते में नाना लगने वाले एक शख्स ने 10 साल के मासूम बच्चे के साथ कुकर्म किया। पीड़ित और परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बताया जा रहा है कि बच्चे का जन्मदिन था और इसमें शामिल होने के लिए आरोपी (उम्र 30 साल) उनके घर आया हुआ था। रात को देर हो जाने के कारण वह घर में ही रुक गया। इस दौरान पीड़ित बच्चा आरोपी के साथ ही एक बिस्तर पर सो गया था, जबकि मां दूसरे कमरे में सोई हुई थी। आरोपी ने रात को बच्चे के साथ कुकर्म किया। जिसके बाद बच्चे ने रोते हुए मां को सारी बात बताई। परिजनों ने पेंड्रा थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अविवाहित है और मेहमान बनकर आया हुआ था। मामले में आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट की धारा 4 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

अंबिकापुर। जिले में एक युवक ने शादी का झांसा देकर युवती को अपने हवस का शिकार बनाया। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरा मामला गांधीनगर थाने का है।

मिली जानकारी के अनुसार, अंबिकापुर की एक युवती ने 4 साल पहले फेसबुक के जरिए आदर्शनगर के सीतापुर निवासी दीपक पैकरा से दोस्ती की थी। फिर धीरे-धीरे उनके बीच मिलने-जुलने का सिलसिला शुरू हुआ। इसके बाद दीपक ने उसे शादी का झांसा दिया और शारीरिक संबंध बनाया। इस लगातार वह उसे अपने हवस का शिकार बनाता रहा। जब युवती ने शादी के लिए जोर दिया तो वह टालने लगा। तंगाकर युवती ने उसके खिलाफ मामला दर्ज करवाया। मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मेडिकल स्टोर्स का किया औचक निरीक्षण, 10 मेडिकल स्टोर्स को थमाया नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। राज्य में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए राज्य शासन द्वारा दिये गये निर्देशों एवं कलेक्टर दीपक अग्रवाल द्वारा जिला स्तरीय एनकॉर्ड बैठक में स्वापक औषधी मन: प्रभावी (नशीली) पदार्थों की अवैध बिक्री तथा दवाओं की नशे के रूप में दुरुपयोग होने पर चिंता व्यक्त करते हुए औषधी प्रशासन को सख्त कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिए गए।

उक्त निर्देशानुसार नशीली दवाओं के अवैध व्यापार को रोकने के लिए एवं नशा उन्मूलन अभियान के तहत् औषधी निरीक्षक सुनील कुमार खरांशु एंव धर्मवीर सिंह ध्रुव द्वारा मेडिकल स्टोर्स का लगातार औचक निरीक्षण करते हुए स्वापक एवं मन: प्रभावी औषधियों के खरीदी-बिक्री की जाँच की जा रही है। विगत माह ब्लाक-छुरा, फिंगेश्वर, मैनपुर एवं देवभोग में कुल 22 मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया गया।

जिसमें 10 मेडिकल स्टोर्स मेडिकल स्टोर्स, देवांगन मेडिकल स्टोर्स, मां विमला मेडिकल स्टोर्स. एस. के. मेडिकल स्टोर्स, विद्या मेडिकल स्टोर, शीतल मेडिकल स्टोर्स, सौरभ मेडिकोज, उज्जवल मेडिकल स्टोर्स, लक्ष्मी मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर्स एवं सदाफल मेडिकल स्टोर्स में औषधि नियमावली के तहत् अनियमितता पाये जाने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर जवाब मांगा गया है। सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पादों के नशा करने से होने वाली दुष्प्रभावों के बारे में स्थानीय समुदायों में जागरूकता अभियान चलाते हुए कोटपा एक्ट, 2003 के प्रावधानों का उल्लंघन पाये जाने पर कुल 96 चालानी कार्यवाही करते हुए 3 हजार 840 रुपये जुर्माना राशि प्राप्त कर चालान कम्पाउण्ड किये जाने की कार्यवाही की गई। आगे भी सतत रूप से जांच, निरीक्षण की कार्यवाही की जा रही है।

अपने से 20 साल छोटे प्रेमी संग भागी महिला, शिकायत दर्ज

रायगढ़ (ए.)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला अपने से 20 साल छोटे युवक के साथ फरार हो गई। महिला अपने तीन बच्चों को छोड़कर प्रेम प्रसंग में भागी है, जिसके कारण न केवल पति परेशान है बल्कि दुधमुंहे बच्चे सहित अन्य दो बच्चे रोते-बिलखते अपनी मां का इंतजार कर रहे हैं। वहीं परेशान पति कभी थाने तो कभी अपने ससुराल के साथ-साथ अपने परिचितों से अपनी पत्नी को खोजने की गुहार लगा रहा है। लेकिन प्यार में पागल पत्नी अपने प्रेमी के साथ फुर्र हो गई है।

यह पूरा मामला धरमजयगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गणेशपुर का है।इस पूरे मामले में सबसे बड़ा पहलू यह भी है कि जिस पति दिनेश तिर्की की पत्नी हीराबाई अपनी उम्र से 20 साल छोटे युवक के साथ प्रेम प्रसंग में फंसती है, उसके बाद जब प्यार परवान चढ़ता है तो दोनों घर छोड़कर फरार हो जाते हैं। गोवा में काम कर रहा पति जब घर लौटता है, तब उसकी पत्नी घर में नहीं मिलने पर बच्चों ने उसे जानकारी दी कि उसकी गैर-मौजूदगी में गांव का युवक इलियास बेग उनके घर आता था, जिससे उनकी मां रोज मिलती थी और कुछ दिन पहले ही वह उसके साथ चली गई है। इस बात को सुनकर परेशान पति दिनेश तिर्की पहले पड़ोसियों से पूछताछ करता है, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिलने पर वह सीधे ससुराल पहुंचकर अपने ससुर और सास से जानकारी लेते हुए अपनी पत्नी के गायब होने की सूचना देता है। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा पहलू यह भी है कि जिस पति दिनेश तिर्की की पत्नी हीराबाई अपनी उम्र से 20 साल छोटे युवक के साथ प्रेम प्रसंग में फंसती है, उसके बाद जब प्यार परवान चढ़ता है तो दोनों घर छोड़कर फरार हो जाते हैं। गोवा में काम कर रहा पति जब घर लौटता है, तब उसकी पत्नी घर में नहीं मिलने पर बच्चों ने उसे जानकारी दी कि उसकी गैर-मौजूदगी में गांव का युवक इलियास बेग उनके घर आता था, जिससे उनकी मां रोज मिलती थी और कुछ दिन पहले ही वह उसके साथ चली गई है।

इस बात को सुनकर परेशान पति दिनेश तिर्की पहले पड़ोसियों से पूछताछ करता है, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिलने पर वह सीधे ससुराल पहुंचकर अपने ससुर और सास से जानकारी लेते हुए अपनी पत्नी के गायब होने की सूचना देता है।

धरमजयगढ़ विधानसभा के ग्राम गणेशपुर में रहने वाले इलियास बेग के साथ उसकी उम्र से लगभग 20 साल बड़ी हीराबाई का प्रेम परवान चढ़ता है और पति के नहीं रहने का फायदा उठाकर दोनों तीन बच्चों को छोड़कर आराम से फरार हो जाते हैं। इसकी शिकायत परेशान पति दिनेश तिर्की ने लिखित रूप से धरमजयगढ़ थाने में की है। लेकिन पुलिस पंचायत चुनाव के कारण इस पूरे मामले की खोजबीन में नहीं जुटी है। एक पुलिस अधिकारी का कहना है कि शिकायत के आधार पर जल्द ही पतासाजी की जाएगी।

फर्जी सिम कार्ड बेचने वाले 13 पीओएस एजेंट हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। साइबर अपराधों के खिलाफ छत्तीसगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई जारी है। ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत म्यूल बैंक अकाउंट के लिए फर्जी सिम कार्ड बेचने वाले 13 पीओएस एजेंट गिरफ्तार किए गए हैं। अब तक कुल 98 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जांच में सामने आया कि इन एजेंटों द्वारा जारी सिम कार्ड संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका, नेपाल और म्यांमार में इस्तेमाल किए गए थे। अपराध में संलिप्त 7063 सिम कार्ड और 590 मोबाइल की पहचान कर उन्हें निष्क्रिय करने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा के निर्देशन में साइबर अपराध और अपराधियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। थाना सिविल लाइन रायपुर में अपराध क्रमांक 44/25 के तहत धारा-317(2), 317(4), 317(5), 111, 3(5) बीएनएस के तहत जांच की जा रही है।

जांच के पहले चरण में 68 म्यूल बैंक अकाउंट धारक/संवर्धक गिरफ्तार। दूसरा चरण में 4 बैंक अधिकारी गिरफ्तार हुए। तीसरा चरण में 13 बैंक खाता संचालकों की गिरफ्तारी, जो न्यायिक अभिरक्षा में निरुद्ध हैं तथा चौथा चरण में अपराध में संलिप्त सिम कार्ड और मोबाइल नंबरों की पहचान के बाद 13 पीओएस एजेंटों की गिरफ्तारी हुई है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी नया सिम लेने या पोर्ट कराने वाले ग्राहकों की ई-केवाईसी प्रक्रिया में डबल थंब स्कैन या आई ब्लिंक कर अतिरिक्त सिम चालू करते थे। जिनके पास आधार कार्ड की फिजिकल कॉपी होती थी, उनका विवरण वे खुद वेरिफाई कर डी-केवाईसी से फर्जी सिम एक्टिवेट करते थे। ये सिम म्यूल अकाउंट के ब्रोकरों को बेचे जाते थे, जिन्हें पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

गिरफ्तार आरोपियों में कुलवंत सिंह छाबड़ा पिता हरदीप सिंह छाबड़ा उम्र 21वर्ष, पता अम्बेडकर वार्ड नंबर 02 अम्बागढ़ चौकी, राजनांदगांव, खेमन साहू पिता कोमल दास साहू उम्र 23 वर्ष, पता वार्ड नंबर 04, खराटोला, जिला राजनांदगांव, अजय मोटघरे पिता शंकर मोटघरे उम्र 45 वर्ष, पता वार्ड क्रमांक 08 कालकापारा, डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव, ओम आर्य पिता देव कुमार आर्य उम्र 21 वर्ष, पता सिंधी कॉलोनी, पुराना बस स्टैण्ड मेन रोड के पास मुंगेली, चंद्रशेखर साहू पिता खिलावन साहू उम्र 20 वर्ष, पता दीनदयाल नगर, वार्ड नंबर 02 गोबरा नवापारा, रायपुर, पुरूषोत्तम देवागंन पिता राधेश्याम देवागंन उम्र 21 वर्ष, पता जयन्ती नगर, नियर कर्मा भवन, थाना-मोहन नगर, जिला-दुर्ग, रवि कुमार साहू पिता स्वर्गीय शरद कुमार साहू उम्र 26 वर्ष, पता 247 वार्ड नंबर 12, राम नगर, वीटीसी सुपैला, भिलाई,पोस्ट सुपेला, जिला-दुर्ग, रोशन लाल देवागंन पिता राजेन्द्र देवागंन उम्र 28 वर्ष, पता हाउस नंबर 900, कचहरी वार्ड नंबर 39, आनंदनगर, दुर्ग जिला-दुर्ग, के.शुभम सोनी पिता के. राजू सोनी पता वार्ड नंबर 06, ठेठवार पारा, दुर्ग, के.वंशी सोनी पिता के. राजू सोनी पता वार्ड नंबर 06, ठेठवार पारा, दुर्ग, त्रिभुवन सिंह पिता डी के सिंह उम्र 28 वर्ष, पता ब्लॉक एल सी 10 क्वार्टर जी रोड 18 कैंप 1 सुपेला भिलाई, अमर राज केशरी पिता स्व दरोगा प्रसाद केसरी उम्र 34, वर्ष पता 20/21 वार्ड नंबर 51 सेक्टर 11 भिलाई, विक्की देवांगन पिता ईश्वर राम देवांगन उम्र 26 वर्ष, पता 229/1 वार्ड नंबर 27 पाटनकर कालोनी, पोल सायपारा दुर्ग शामिल हैं।

जारी रहेगा आगे की कार्रवाई

पुलिस अब अन्य संदिग्ध व्यक्तियों और साइबर अपराध के नेटवर्क की गहन जांच कर रही है। यह ऑपरेशन साइबर अपराध पर कड़ी नजर रखते हुए आगे भी जारी रहेगा।

छत्तीसगढ़ में 24 घंटे दुकान खुले रखने की आजादी ऐतिहासिक फैसले से मिलेगा रोजगार को बढ़ावा

छत्तीसगढ़ सरकार ने लागू किया नए दुकान एवं स्थापना अधिनियम, व्यापारियों का भी मिल रहा समर्थन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लागू किए गए नए दुकान एवं स्थापना अधिनियम को व्यापारिक जगत और नागरिकों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। इस ऐतिहासिक फैसले से रोजगार के अवसरों में वृद्धि, व्यापारिक गतिविधियों के सुगमतापूर्वक संचालन के साथ ही राज्य की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। खासतौर पर, दुकानों को बिना समय सीमा के संचालित करने की अनुमति मिलने से कारोबारियों के लिए व्यापार सुविधाजनक होगा और उपभोक्ताओं को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

सरकार का यह निर्णय ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए एक क्रांतिकारी कदम है। नए नियमों से छोटे दुकानदारों को राहत, पंजीयन प्रक्रिया में सरलता, और कर्मचारियों के अधिकारों का बेहतर संरक्षण सुनिश्चित किया गया है। पहले से पंजीकृत दुकानों को 6 महीने के भीतर श्रम पहचान संख्या प्राप्त करने के लिए आवेदन करना होगा, लेकिन इसके लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यदि 6 महीने के बाद आवेदन किया जाता है, तो नियमानुसार शुल्क अनिवार्य होगा।

सातों दिन 24 घंटे दुकान संचालन की स्वतंत्रता

नए अधिनियम के तहत, व्यापारी अब अपनी दुकानें सप्ताह के सातों दिन और 24 घंटे खोलने के लिए स्वतंत्र होंगे। हालांकि, यह निर्णय पूरी तरह से व्यापारियों की इच्छा पर निर्भर करेगा। इस पहल से व्यवसायिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी, जिससे नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। पुरानी व्यवस्था के अनुसार, सप्ताह में एक दिन दुकान बंद रखना अनिवार्य था, लेकिन अब यह प्रतिबंध हटा दिया गया है। हालांकि, सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश दिया जाए और किसी भी कर्मचारी से 8 घंटे से अधिक कार्य न कराया जाए।

शराब की दुकानों पर नहीं होगा लागू

नए दुकान एवं स्थापना अधिनियम शराब की दुकानों पर लागू नहीं होगा। यानी शराब की दुकानों व बार आदि के लिए पूर्व निर्धारित समय ही तय रहेगा। नए अधिनियम में सरकार ने व्यापारिक स्वतंत्रता देने के साथ ही श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा है। दुकानदारों को श्रम कल्याण से संबंधित सभी प्रावधानों का पूर्ववत पालन अनिवार्य रूप से करना होगा। इसके तहत साप्ताहिक अवकाश का प्रावधान अनिवार्य होगा, किसी भी कर्मचारी से 8 घंटे से अधिक कार्य नहीं कराया जा सकेगा और श्रम कल्याण योजनाओं का पालन सुनिश्चित करना होगा।

आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम

यह अधिनियम राज्य की आर्थिक गतिविधियों को नए आयाम देने के साथ-साथ व्यापारियों को अधिकतम स्वतंत्रता और सुविधा प्रदान करता है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल छत्तीसगढ़ में व्यापारिक गतिशीलता बढ़ेगी, बल्कि राज्य के राजस्व में भी वृद्धि होगी। छत्तीसगढ़ सरकार का यह कदम न केवल व्यापार और उद्योग के लिए एक बड़ा सुधार है, बल्कि एक मजबूत और समावेशी आर्थिक प्रणाली की नींव भी रखता है।

इसरो का विशेषज्ञ दल करेगा छत्तीसगढ़ का दौरा

सीएम साय से मिले इसरो के अध्यक्ष कृषिक्षेत्र के डेवलपमेंट पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से गुरुवार को नई दिल्ली में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चेयरमैन वी नारायणन ने भेंट कर छत्तीसगढ़ में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग से कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में नवाचारों को बढ़ावा देने पर गहन चर्चा की। इस महत्वपूर्ण बैठक में छत्तीसगढ़ में सैटेलाइट आधारित सर्वेक्षण, भू-मानचित्रण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और स्मार्ट एग्रीकल्चर को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि, जल संसाधन, पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में तकनीकी नवाचारों का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है।

इसरो के सहयोग से हम इन क्षेत्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कार्य करेंगे, जिससे किसानों को अधिक सटीक जानकारी मिले और राज्य के विकास को गति मिले।

बैठक में बताया गया कि इसरो का एक विशेषज्ञ दल जल्द ही छत्तीसगढ़ का दौरा करेगा और राज्य में सैटेलाइट इमेजरी, जीआईएस (त्नङ्कस्) तकनीक और डेटा विश्लेषण के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों का विस्तृत अध्ययन करेगा।

इसके तहत राज्य में मृदा स्वास्थ्य विश्लेषण, जल स्त्रोतों का सटीक आकलन, बाढ़ और सूखे की भविष्यवाणी, और कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए डेटा-संचालित निर्णय लेने की प्रणाली विकसित की जाएगी।

छत्तीसगढ़ को मिलेगा अत्याधुनिक स्पेस टेक्नोलॉजी का लाभ

इसरो की विशेषज्ञता और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से छत्तीसगढ़ को कृषि, आपदा प्रबंधन, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग, पर्यावरण एवं वन संरक्षण सहित अन्य क्षेत्रों मे व्यापक लाभ होगा। कृषि क्षेत्र में सैटेलाइट डेटा के उपयोग से बेहतर फसल पूर्वानुमान, मिट्टी की गुणवत्ता सुधार, और जल संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन, बाढ़, सूखा और वनाग्नि जैसी प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व-चेतावनी प्रणाली को सशक्त बनाना, नगर नियोजन, परिवहन व्यवस्था, और पर्यावरणीय संतुलन के लिए अत्याधुनिक स्पेस डेटा के उपयोग सहित वन क्षेत्रों की निगरानी और अवैध कटाई की रोकथाम के लिए रियल-टाइम मॉनिटरिंग में सुविधा होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इसरो और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच साझेदारी से राज्य में तकनीकी प्रगति को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। इस पहल के तहत छत्तीसगढ़ अनुसंधान संस्थानों को भी जोड़ा जाएगा, जिससे युवा वैज्ञानिकों को नवाचारों में योगदान देने का अवसर मिलेगा।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के नए युग में इसरो का सहयोग राज्य को भविष्य की तकनीकों से सशक्त बनाएगा, जिससे कृषि, पर्यावरण, जल प्रबंधन और आपदा न्यूनीकरण जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे।

भारतीय ओलंपिक संघ के विशेषज्ञ करेंगे छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को गाइड

IOA की अध्यक्ष पीटी उषा ने सीएम साय से मिलकर बताया प्लान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से गुरुवार को नई दिल्ली में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद पीटी उषा ने सौजन्य भेंट की। इस महत्वपूर्ण मुलाकात में छत्तीसगढ़ में खेलों के विकास, युवा खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, खेल अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण और ओलंपिक स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के लिए राज्य की तैयारियों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। बैठक के दौरान पीटी उषा ने छत्तीसगढ़ में खिलाड़ियों के मार्गदर्शन के लिए भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा एक विशेष प्रतिनिधिमंडल भेजने की बात कही।

उन्होंने कहा कि इस दल में विभिन्न खेलों के अनुभवी कोच और विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो स्थानीय खिलाड़ियों को ओलंपिक स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के लिए प्रशिक्षित करेंगे और उनकी खेल तकनीकों को निखारने में सहायता करेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, और यदि उन्हें सही मार्गदर्शन और संसाधन मिले तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। श्रीमती उषा ने राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों की सराहना की और इसे भारत के खेल प्रोत्साहन मॉडल के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बताया।

मुख्यमंत्री साय ने राज्य में खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को 3 करोड़ रुपये, रजत पदक विजेता को 2 करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेता को 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की गई है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने और छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने के लिए विशेष खेल आयोजनों का सफलतापूर्वक संचालन कर रही है।

खैरागढ़ में 213 प्रजातियों के 1500 से ज्यादा विदेशी पक्षियों का डेरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव । रूस के दुर्लभ पक्षियों का दल इन दोनों खैरागढ़ वन मंडल के रूसे जलाशय में दिखाई दे रहा है। यहां लगभग डेढ़ हजार से अधिक प्रवासी पक्षियों का झुंड मौजूद है। इन पक्षियों में कई पक्षी दुर्लभ प्रजाति के हैं। रूस से पहुंचे इन पक्षियों के लिए खैरागढ़ वन मंडल का रूसे जलाशय मुफीद ठिकाना बना हुआ है। रूसे जलाशय में रूस से आने वाले सारस पक्षी मुख्य आकर्षण का केन्द्र है। इस प्रजाति को यूरेशियाई सारस या साधारण सारस कहा जाता है। जिसका वैज्ञानिक नाम ग्रुस है। दक्षिणी अफ्रीका में मिलने वाली गुस वंश के सारस की एक प्रजाति है। यह उत्तर यूरेशिया में निवास करते हैं, जो शीतकाल निवास के लिए भारत व अन्य स्थानों पर प्रवास करते हैं। छत्तीसगढ़ बायोडायवर्सिटी बोर्ड और खैरागढ़ वन मंडल द्वारा सभी वेटलैंड्स का सर्वेक्षण कार्य कराकर रिपोर्ट तैयार किया जा रहा है।

शोधकर्ताओं ने 213 प्रजाति दर्ज की

रूसे जलाशय में पहुंचे प्रवासी पक्षियों पर शोधकर्ता

डॉ. फैज बक्स, प्रतीक ठाकुर एवं उनकी टीम ने यहां 213 प्रजातियों के पक्षी दर्ज किए हैं। जिनमे कई दुर्लभ पक्षी शामिल हैं। शोधार्थियों का मानना है कि यदि इस क्षेत्र को ईको-टूरिज्म से जोड़ा जाए, तो यह जगह पक्षी प्रेमियों, शोधकर्ताओं और पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन सकती है।

पक्षी प्रेमियों में उत्साह

खैरागढ़ वन मंडल क्षेत्र के रूसे जलाश्य में दुर्लभ प्रवासी पक्षियों के आगमन से पक्षी प्रेमियों में उत्साह का वातावरण बना हुआ है। पक्षी प्रेमी रूसे जलाशय में पहुंचकर दुर्लभ प्रवासी पक्षियों की तस्वीरें ले रहे हैं।

अनुकूल वातावरण हो रहा तैयार

खैरागढ़ क्षेत्र के रूसे जलाशय में यूट्रिकुलरिया नामक एक कीट भक्षी पौधा पाया गया, जो पानी में मौजूद छोटे-छोटे कीड़ों को खाकर जल को स्वच्छ करता है। इसके अलावा नाजास, वेलिसनेरिया और लिम्नोफिला जैसे जलीय पौधे प्रवासी बत्तखों के भोजन का मुख्य स्त्रोत है। वहीं मछलियों की भी कई महत्वपूर्ण प्रजातियां यहां पाई गई है। जिनमें रोहू, कतला, पोठी, मोला और टेंगना प्रमुख हैं। ये शिकारी पक्षियों के भोजन का अहम हिस्सा है और स्थानीय परिस्थिति को बनाए रखने में मदद करते हैं।

काले सिर वाले पक्षी

बर्ड वाचर और शोधार्थी बीएफओ योगेश कोर्राम ने एक दिवसीय बर्ड वॉचिंग के दरम्यान रूसे डेम में बड़ी संख्या में काले सिर वाले पक्षी के साथ विभिन्न दुर्लभ प्रजाति जैसे सामान्य सारस (ग्रस ग्रस), चित्रित सारस (माइक्टेरिया ल्यूकोसेफाला), सफेद आंखों वाला बज़र्ड (ब्यूटास्टुर टीसा), उत्तरी पिनटेल (अनास एक्यूटा), ऑस्प्रे (पंडियन हलियेटस). यूरेशियन स्पूनबिल (प्लाटालिया ल्यूकोरोडिया), टफ्टेड डक (अयथ्या फुलिगुला), ग्रे हेरोन (अर्डिया सिनेरिया), ग्रेट कॉर्पोरेंट (फ्लाक्रोकोरैक्स कार्बो), बार-हेडेड गूज (एंसर इंडिकस), ब्लैक हेडेड आइबिस (ग्रेसकोर्निस मेलानोसेफलस), इंडियन स्पॉट-बिल्ड डक (अनास पोइसिलोरहिन्चा), लेसर व्हिसलिंग डक (डेंड्रोसिग्ना जावनिका), रेड-नेण्ड आइबिस (स्यूडिबिस पैपिलोसा) रिकार्ड किया है।

विरल वन का 450 वर्ग किमी क्षेत्र हुआ सघन वन में तब्दील

बस्तर क्षेत्र में वन आवरण के घनत्व में हुई उल्लेखनीय वृद्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर में वन आवरण घनत्व में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जो हाल ही में प्रकाशित भारत वन स्थिति रिपोर्ट के आंकड़ों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ वन विभाग द्वारा किए गए सतत प्रयासों का परिणाम है। बस्तर में वन आवरण घनत्व में वृद्धि छत्तीसगढ़ की पर्यावरण संरक्षण नीति और सतत वन प्रबंधन का परिणाम है। वन घनत्व में वृद्धि जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिक संतुलन और जलवायु सुधार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बस्तर, जो अपने घने जंगलों के लिए प्रसिद्ध है, वन संरक्षण और संवर्धन के लिए एक प्राथमिक फोकस क्षेत्र रहा है। भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई), देहरादून द्वारा उपग्रह-आधारित एलआईएसएस-तीन सेंसर से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, बस्तर के कई क्षेत्रों में वन आवरण की श्रेणी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

आईएसएफआर के अनुसार, 152 वर्ग किमी वन क्षेत्र मध्यम घने वन से बहुत घने वन में परिवर्तित हुआ है। इसके अलावा, 93 वर्ग किमी भूमि गैर-वन से खुले वन में बदली है, जबकि 156 वर्ग किमी क्षेत्र खुले वन से मध्यम घने वन में परिवर्तित हुआ है। 19 वर्ग किमी क्षेत्र ओएफ सघन वन में और 18 वर्ग किमी क्षेत्र छोटे झाड़-झाड़ियों से खुले वन में अपग्रेड हुआ है।

इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान में भी वन आवरण में सकारात्मक परिवर्तन दर्ज किया गया है, जहां 23 वर्ग किमी मध्यम घने वन से बहुत घने वन में और 16 वर्ग किमी खुले वन से मध्यम घने वन में तब्दील हुए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार, बीजापुर वन प्रभाग ने सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है, जहां 68 वर्ग किमी क्षेत्र खुले वन से मध्यम घने वन में और 56 वर्ग किमी क्षेत्र मध्यम घने वन से बहुत घने वन में परिवर्तित हुआ है। इस उपलब्धि पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वी. श्रीनिवास राव ने कहा कि वन विभाग के वैज्ञानिक और सक्रिय प्रयासों के चलते वन आवरण में यह महत्वपूर्ण वृद्धि संभव हुई है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भागीदारी और रणनीतिक संरक्षण उपायों ने बस्तर के हरित परिदृश्य को सुदृढ़ किया है। वन आवरण घनत्व में यह सुधार निरंतर निगरानी, जल एवं मृदा संरक्षण, आक्रामक खरपतवार हटाने, वन-अग्नि रोकथाम रणनीतियों और समुदाय के नेतृत्व वाले वनीकरण अभियानों के कारण संभव हुआ है। संयुक्त वन प्रबंधन समितियों और बस्तर के आदिवासी समुदायों की भागीदारी ने भी इस सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950